



सब का सपना



यातायात नियमों के उल्लंघन पर एक दिन में 457 वाहनों के चालान **पेज: 3**

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

साई पल्लवी ने 'रावण की भूमिका निभाने के यश के **पेज: 8**

वर्ष : 02

अंक : 204

गुरुवार 29 अक्टूबर 2026

अमरोहा (उत्तर प्रदेश)

www.sabkasapna.com

पृष्ठ : 08

मूल्य: 2 रुपए

दिल्ली दंगा 2020 : मोहसिन हत्याकांड में 5 दोषियों की 7 साल की कैद बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने फरवरी 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों के दौरान 22 वर्षीय मोहसिन की हत्या के मामले में पांच दोषियों की सजा को बरकरार रखकर उनकी अपील खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति मधु जैन की पीठ ने अमन कश्यप, देवेंद्र कुमार, प्रदीप राय, आशीष और अरुण कुमार को निचली अदालत द्वारा सुनाई गई सात साल की कैद और 30,000 रुपये के जुर्माने की सजा को सही ठहराया। निचली अदालत ने इन दोषियों को भारतीय दंड संहिता की धारा 304 (गैर इरादतन हत्या) और धारा 148 (घातक हथियारों से दंगा करना) के तहत दोषी ठहराया था। उच्च न्यायालय ने अपने फैसले में प्रत्यक्षदर्शी के बयान को महत्वपूर्ण माना, जिसमें कहा गया था कि अपीलकर्ता हथियारों से लेस भीड़ में खड़े थे और उन्होंने अन्य लोगों को मोहसिन पर हमला करने के लिए उकसाया था। दोषियों ने दलील दी थी कि उनके खिलाफ आरोप संदेह से परे साबित नहीं हुए और स्वतंत्र गवाहों ने अभियोजन पक्ष का समर्थन नहीं किया। हालांकि, अदालत ने दलीलों को खारिज किया। अदालत ने स्पष्ट किया कि केवल इस आधार पर वे बरी होने का दावा नहीं कर सकते कि भीड़ के किस सदस्य ने पीड़ित के सिर पर जानलेवा चोट पहुंचाई थी। अदालत ने कहा कि साक्ष्य केवल भीड़ में अपीलकर्ताओं की मौजूदगी तक सीमित नहीं है, बल्कि वे सक्रिय रूप से दूसरों को उकसा रहे थे। उच्च न्यायालय ने निष्कर्ष निकाला कि 25 फरवरी, 2020 को चांद बाग इलाके में मोहसिन पर हमला करने वाली दंगाई भीड़ का साझा गैरकानूनी उद्देश्य उसे शारीरिक चोट पहुंचाना था, जिससे उसकी मौत हुई। निचली अदालत ने भी अपने फैसले में इन तथ्यों को साबित पाया था।

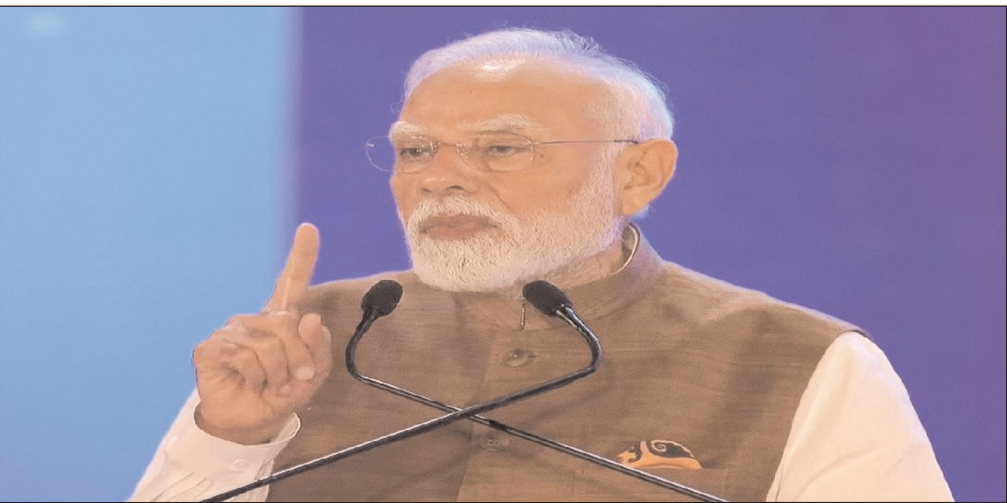
अंग्रेजी कमजोर होने पर वेटर को थप्पड़, ताज होटल ने ग्राहक पर लिया कड़ा एक्शन

आगरा। आगरा के ताज होटल में घटना सामने आई है, जहाँ एक ग्राहक ने कथित तौर पर वेटर काति को सिर्फ इसलिए थपड़ मार दिया, क्योंकि वह अंग्रेजी ठीक से नहीं बोल सका था। होटल के जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर ने घटना और होटल द्वारा की गई कार्रवाई का विवरण साझा किया। यह मामला इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। होटल कर्मचारी के मुताबिक, वेटर काति होटल के रेस्टोरेंट में एक ग्राहक को खाना सर्व कर रहे थे। बातचीत के दौरान अंग्रेजी को लेकर कुछ गलतफहमी हुई। काति अच्छी अंग्रेजी नहीं बोल पाते थे, और इसी बात पर ग्राहक ने कथित तौर पर अपना आपा खो दिया और उन्हें थप्पड़ मार दिया। होटल के जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर के लिए काति केवल हेरान करने वाली थी, क्योंकि वह घटना के बाद अपना काम कर रहे थे और एक छोटी सी गलतफहमी के बाद उनके साथ ऐसा बर्ताव किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी ग्राहक को होटल कर्मचारी के साथ बदसलूकी करने या हाथ उठाने का अधिकार नहीं है।

लखनऊ ट्रिपल मर्डर : गोल्ड मेडलिस्ट शूटर का बेखौफ अंदाज

लखनऊ। लखनऊ में हुए सनसनीखेज ट्रिपल मर्डर का आरोपी ऋषभ शुक्ला, वारंटा के बाद भी अपनी बेखौफ हरकतों से सभी को हैरान कर गया। तीन लोगों की हत्या करने के बाद वह एक हाथ में पिस्टल और दूसरे में मैगजीन लिए घर के बाहर ही बैठा रहा, घायलों की मदद के लिए आने वालों को भी गोली मारने की धमकी दी, जिससे पूरे मोहल्ले में दहशत फैल गई। पुलिस अधिकारी और आम लोग, हर कोई इस बात से स्तब्ध था कि एक अकेला व्यक्ति कैसे तीन लोगों की जान ले सकता है। इसके पीछे उसकी विशेष ट्रेनिंग और शूटिंग का अनुभव प्रमुख वजह है। ऋषभ एक गोल्ड मेडलिस्ट शूटर है और हथियार चलाने की विशेष ट्रेनिंग मिली हुई थी। गोली चलाने के उसके सहे हुए अंदाज और अचूक निशाने ने सभी को हैरान कर दिया।

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में उभरता विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सम्मेलन 2026 का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि विकसित भारत का निर्माण वैज्ञानिक अनुसंधान, खोजों और नवाचार की भावना की मजबूत नींव पर होगा। उन्होंने कहा कि भारत को भविष्य की तकनीकों में नवाचार करते हुए दुनिया का नेतृत्व करना चाहिए और महत्वपूर्ण तकनीकों के क्षेत्र में अपनी ताकत बढ़ाकर आत्मनिर्भर बनना चाहिए। युवाओं के आत्मविश्वास और सोच की सराहना प्रधानमंत्री ने सम्मेलन के दौरान दिन की शुरुआत में स्टार्टअप संस्थापकों के साथ हुई बातचीत का उल्लेख करते हुए देश के युवाओं के उत्साह, व्यापक सोच और दृढ़ संकल्प की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत के युवा जिस बड़े पैमाने पर सोच रहे हैं और जिस आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं, वह बेहद



उत्साहजनक है। पीछे चलने वाले भारत से नेतृत्व करने वाले भारत तक पीएम मोदी ने कॉन्क्लेव के पिछले संस्करण में अपनी भागीदारी को याद करते हुए कहा कि बीते दशकों और 21वीं सदी के भारत की सोच में बड़ा बदलाव आया है। पहले

भारत विदेशी नवाचारों को वर्षों बाद अपनाता या उनमें बदलाव करता था, लेकिन आज देश मौलिक तकनीकें विकसित करने, वैश्विक दिशा तय करने और दुनिया की चुनौतियों के समाधान देने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है।

कोविड वैक्सीन से अंतरिक्ष तक उपलब्धियों का उल्लेख प्रधानमंत्री ने स्वदेशी कोविड-19 वैक्सीन के विकास और अन्य देशों को इसकी आपूर्ति से लेकर मंगल मिशन तथा चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैंडिंग तक का उल्लेख

अखिलेश का आरोप.... भाजपा वोट से नहीं, बल्कि खोट से चुनाव जीत रही

लखनऊ , एजेंसी। उत्तरप्रदेश विधान परिषद की 11 सीटों के चुनाव परिणामों को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी और प्रशासनिक अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा वोट से नहीं, बल्कि खोट से चुनाव जीत रही है, और मतगणना में धांधली व साजिश का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि भ्रष्ट भाजपाइयों और सलिस अधिकारियों ने एमएलसी चुनाव जीतने की सभी हदें पार कर दीं। डॉ. त्रिपाठी की हार का कारण केवल उनका सपा उम्मीदवार होना नहीं, बल्कि हाता नहीं



भाता की सोच है। अखिलेश ने दावा किया कि शिक्षकों से चारा इकट्ठा कराया गया और शिक्षक समाज डॉ. त्रिपाठी के उम्मीडन और उनके आंसुओं को कभी नहीं भूलेगा।

आधिकारिक परिणामों के अनुसार, भाजपा ने पांच सीटों पर जीत दर्ज की है। वहीं, समाजवादी पार्टी ने भी दो महत्वपूर्ण सीटों पर सफलता हासिल की है। वाराणसी खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र

पैरोल उल्लंघन: आसाराम पर जोधपुर में दर्ज हुआ मामला

जोधपुर, एजेंसी। नाबालिग से बलात्कार के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम के खिलाफ जोधपुर पुलिस ने मेडिकल पैरोल खत्म होने के बाद तय समय पर जेल न लौटने के आरोप में मामला दर्ज किया है। आसाराम कोइ 20 दिनों की मेडिकल पैरोल मिली थी, जिसकी अवधि समाप्त होने के बावजूद उन्होंने समय-सोमा के भीतर सेंट्रल जेल में आत्मसमर्पण नहीं किया। पुलिस के अनुसार, आसाराम को 27 अक्टूबर को शाम 5 बजे तक जोधपुर सेंट्रल जेल में वापस आना था। हालांकि, वह तय समय से कई घंटे बाद, रात 10-40 बजे इंदौर से एयर एम्बुलेंस के द्वारा जोधपुर पहुंचे। यह कार्रवाई जेल गार्ड बनवारीलाल की शिकायत पर 27 अक्टूबर को प्रिजन्स एक्ट (जेल अधिनियम) की धारा 58बी के तहत की गई है। मामले की जांच असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर भवानी सिंह को सौंपी गई है। आसाराम को राजस्थान हाईकोर्ट ने 6 अक्टूबर को 20 दिनों की मेडिकल पैरोल दी थी, जिसकी अवधि 26 अक्टूबर को समाप्त हुई थी। उनकी कानूनी टीम ने पैरोल बढ़ाने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने याचिका को खारिज करते हुए उन्हें तय समय-सोमा के भीतर जोधपुर सेंट्रल जेल वापस जाने का निर्देश दिया था। बताया जा रहा है कि स्वास्थ्य कारणों से आसाराम उज्जैन के एक अस्पताल में इलाज करा रहे थे, जिसके बाद उन्हें एयर एम्बुलेंस से जोधपुर लाया गया। देर रात जेल पहुंचने के कारण जेल प्रशासन ने उन्हें तुरंत अंदर नहीं लिया और उन्हें भगत की कोठी इलाके के एक अस्पताल भेज दिया गया। बुधवार को उन्हें वापस जेल लाए जाने की उम्मीद है। आसाराम को अगस्त 2013 में जोधपुर स्थित उनके आश्रम में एक नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार के मामले में गिरफ्तार किया गया था। 25 अप्रैल 2018 को जोधपुर की एक विशेष पॉक्सो अदालत ने उन्हें दोषी ठहराते हुए उग्रकैद की सजा सुनाई थी।

सीएपीएफ जवानों में बढ़ता मानसिक तनाव: सात साल में 1,016 आत्महत्याएं और 24 फैंट्रिसाइड

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) में जवानों पर अत्यधिक काम का दबाव और गहरा मानसिक तनाव गंभीर चिंता का विषय है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2019 से 2025 के बीच इन बलों के 1,016 जवानों ने आत्महत्या की है, जबकि बीते पांच वर्षों में अपने ही साथियों पर गोली चलाने यानी फैंट्रिसाइड की 24 गंभीर घटनाएं सामने आई हैं। हाल ही में 29 सितंबर को जम्मू-कश्मीर के कठुआ में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसफ) के हेड कॉन्स्टेबल अवधेश कुमार सिंह द्वारा अपने चार साथियों को गोली मारकर मौत के घाट उतारने की घटना ने गंभीर समस्या को फिर से उजागर किया है। यह घटना बच्चे को लाने के मुद्दे पर हुए विवाद के बाद हुई थी, जिसके बाद अवधेश ने अपनी एके-47 राइफल से गोलीबारी कर दी थी। विशेषज्ञों और पूर्व अधिकारियों का मानना है कि जवानों में बढ़ते तनाव और इस दुखद परिणामों के पीछे कई कारण जिम्मेदार हैं। सीएपीएफ और असम राइफल्स में 93,139 खाली पद मौजूदा जवानों पर अतिरिक्त बोझ डाल रहे हैं, जिससे उनकी इयूटी का समय बढ़ जाता है और उन्हें पर्याप्त आराम नहीं मिल पाता। रिपोर्ट में दिए गए उदाहरण के अनुसार, कई जवानों को दिनभर में मुश्किल से पांच घंटे की नींद नसीब होती है, जो उनके शारीरिक और मानसिक

स्वास्थ्य को बुरी तरह प्रभावित करता है। छुट्टी का प्रावधान होने के बावजूद, जवानों की शिकायत है कि जरूरत के समय छुट्टी मिलना बेहद मुश्किल होता है। सीआरपीएफ जवान विनीत सिंह की पत्नी नेहा सिंह का मामला इसका एक दुखद उदाहरण है, जहां विनीत को छुट्टी न मिलने और अत्यधिक तनाव के बीच उनकी गोली लगने से मौत हो गई थी। इसके अलावा, पदोन्नति में देरी भी जवानों में गहरा असंतोष बढ़ाती है। कई कर्मियों को अगली रैंक तक पहुंचने के लिए 18 से 20 साल तक इंतजार करना पड़ता है, और 2021 के बाद से कैडर रिव्यू न होने के कारण लगभग 13 हजार अधिकारी पदोन्नति की राह देख रहे हैं। परिवार से दूरी भी एक बड़ा कारक है। जवानों की तैनाती अक्सर सीमावर्ती, पहाड़ी, जंगल और दुर्गम क्षेत्रों में होती है, इस तरह के स्थानों पर परिवार को साथ रखना संभव नहीं हो पाता। शहरों में भी पर्याप्त सरकारी आवास नहीं होने से कई जवानों को परिवार से दूर रहना पड़ता है। हालांकि ई-आवास पोर्टल के जरिए 1.46 लाख से अधिक पारिवारिक आवास आवंटित किए गए हैं, फिर भी यह सुविधा सभी कर्मियों को उपलब्ध नहीं हो पाती। अधिकारियों और जवानों के बीच संवाद की कमी, कथित भेदभाव और दुर्व्यवहार भी जवानों के तनाव को बढ़ाते हैं। कई जवानों को अक्सर यह डर रहता है कि शिकायत करने से उनकी



इयूटी, पोस्टिंग या करियर पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए, खाली पदों को भरना, इयूटी और आराम का सतुलन बनाना, समय पर छुट्टी और पदोन्नति सुनिश्चित करना, तथा एक भयमुक्त शिकायत प्रणाली विकसित करना अत्यंत आवश्यक है ताकि जवानों को मानसिक सुरक्षा मिल सके और ऐसी दुखद घटनाओं को रोका जा सके।

जलकूटनीति: भारत की पाकिस्तान, बांग्लादेश को दो टुक... पानी के बदले शांति देना होगा

जियोस्ट्रैटजिस्ट ने दिया इजरायल-जॉर्डन मॉडल का उदाहरण

नई दिल्ली , एजेंसी। भारत ने अपने पड़ोसी देशों पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ जल-साझाकरण समझौतों को लेकर बड़ा रणनीतिक बदलाव लाने का संकेत दिया है। अब वह पानी को केवल एक संसाधन नहीं, बल्कि शांति और सुरक्षा स्थापित करने के महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में देख रहा है। जियोस्ट्रैटजिस्ट ब्रह्मा चेलानी ने इस बारे में इजरायल और जॉर्डन के बीच अपनाए गए मॉडल को भारत के लिए अपनाने का सुझाव दिया है, जहाँ जल-बंटवारा व्यापक शांति समझौते का अभिन्न अंग है। जियोस्ट्रैटजिस्ट चेलानी का मानना है कि भारत को नदियों के ऊपरी हिस्से में स्थित होने का लाभ उठाना चाहिए और पानी को शांति व सुरक्षा के एक उपकरण के रूप में इस्तेमाल करना चाहिए। उनका सुझाव है कि इजरायल-जॉर्डन मॉडल एक उपयोगी टेम्पलेट

पेश करता है, क्योंकि यह जल बंटवारे को एक बड़े शांति और सुरक्षा ढांचे से जोड़ता है। इस मॉडल के तहत, इजरायल और जॉर्डन के बीच 1994 की शांति संधि का हिस्सा है, जिसके तहत दोनों देश जल बंटवारे के लिए पारस्परिक रूप से निर्भर हैं। जॉर्डन जानता है कि यदि वह शांति शर्तों का उल्लंघन करता है, तब इजरायल उसके लिए जल संबंधी चुनौतियां खड़ी कर सकता है। वहीं, इजरायल भी अपनी सुरक्षा भिन्न है, इसलिए इस मॉडल को सीधे नकल करने के बजाय क्षेत्रीय भौगोलिक और रणनीतिक परिस्थितियों के अनुरूप बदलाव की

आवश्यकता होगी। भारत का मानना है कि पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि अनिश्चितकाल के लिए की थी, लेकिन पड़ोसी देश ने इसके बावजूद 1960 की संधि के पांच साल बाद ही भारत पर हमला किया और तब से आतंकवाद व छद्म युद्ध का सिलसिला कभी रुका नहीं। इस तरह, बांग्लादेश के साथ गंगा जल संधि 12 दिसंबर, 2026 को समाप्त हो रही है। इस समझौते के समय से अब हालात पूरी तरह बदल चुके हैं, और वहां भी कड़ुपेन्थी ताकतों का दबदबा बढ़ रहा है जो भारत-विरोधी गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं। भारत के लिए ऐसी परिस्थितियों में गंगा जल संधि को यूं ही आगे बढ़ाना आसान नहीं होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने 2016 के आतंकी हमले के बाद पानी और खून साथ-साथ नहीं बह सकता की नीति अपनाकर सिंधु

जल समझौते को अंजाम दे रहे हैं। भारत अपने संप्रभु फैसले और बुलंद हौसले से कोई समझौता करने को तैयार नहीं है। जियोस्ट्रैटजिस्ट चेलानी के अनुसार, यदि पाकिस्तान और बांग्लादेश चाहते हैं कि भारत निचले बहाव वाले देश के साथ नदी जल को

लंबे समय तक साझा करने पर सहमत हो जाए, तब उन्हें शांति के लिए जल की नई व्यवस्थाओं के तहत शांति बनाए रखने के इस तरह के ठोस वादे स्वीकार करने होंगे, जिन्हें अमल में लाना आसान हो।



जल समझौते पर एक तरह से रोक लगा दी है। भारत अपने संप्रभु फैसले और बुलंद हौसले से कोई समझौता करने को तैयार नहीं है। जियोस्ट्रैटजिस्ट चेलानी के अनुसार, यदि पाकिस्तान और बांग्लादेश चाहते हैं कि भारत निचले बहाव वाले देश के साथ नदी जल को

लंबे समय तक साझा करने पर सहमत हो जाए, तब उन्हें शांति के लिए जल की नई व्यवस्थाओं के तहत शांति बनाए रखने के इस तरह के ठोस वादे स्वीकार करने होंगे, जिन्हें अमल में लाना आसान हो।

संपादकीय

स्रोत हो सुरक्षित

पत्रकारिता के पेशे में मीडियाकर्मों का नैतिक दायित्व होता है कि वह किसी खोजपूर्ण खबर में सहायक स्रोत की सुरक्षा और विश्वास को कायम रख सके। अपने गोपनीयता स्रोत की सुरक्षा का वायदा सुनिश्चित करना महज एक पेशेवर शिष्टाचार नहीं है, सही मायने में यह खोजी पत्रकारिता की बुनियाद भी है। यदि जनहित के लिए महत्वपूर्ण गोपनीय सूचना देने वाले का भरोसा खत्म होगा तो भ्रष्टाचार और जन-विरोधी कार्यों में लिस लोगों के गलत कार्यों का खुलासा करने वाले लोग आगे नहीं आएंगे। यानी व्हिसलब्लोअर किसी गंभीर कदाचार आदि के मुद्दे पर चुप्पी साध सकते हैं। यदि सूचना स्रोत की गोपनीयता भंग होती है, तो गलत कामों के वास्तविक तथ्य कभी भी सामने नहीं आ पाएंगे। बहुत संभव है कि किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोकतंत्र के हित में, जनता को जानने योग्य जरूरी जानकारी से वंचित होना पड़ सकता है। इस विषय के महत्व की गंभीरता के चलते ही देश के सर्वोच्च न्यायालय में देश के 'डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट' यानी डीपीडीपी को चुनौती दी गई। जिसने इस महत्वपूर्ण मुद्दे को सार्वजनिक विमर्श में ला दिया है। यही वजह है कि डिजिटल न्यूज पब्लिशर्स एसोसिएशन ने चेताया है कि इस कानून के प्रावधान किसी मीडियाकर्मों के गोपनीय स्रोतों को सार्वजनिक कर सकते हैं। जो स्वतंत्र समाचार संग्रहण और इस बाबत जांच-पड़ताल में बाधक साबित हो सकते हैं। इस समस्या का चिंतजनक पहलू यह भी कि सरकार के पास नागरिकों की निजी सूचना एकत्र करने वाली संस्थाओं से जानकारी हासिल करने के अधिकार हैं। जिससे उन लोगों की पहचान उजागर हो सकती है जो भरोसे के चलते ही पत्रकारों के पास आते हैं। निश्चय ही किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में ऐसी बंदिशें लादने से मीडिया की स्वतंत्रता पर आंच आ सकती है। सुप्रीम कोर्ट में इस संदर्भ में दायर याचिका पर सुनवाई के बाद, कोर्ट ने केंद्र सरकार से इस बाबत जवाब मांगा है। उल्लेखनीय है कि कोर्ट ने इस मामले में अगली सुनवाई की तारीख 17 नवंबर तय की है।

इसमें दो राय नहीं हो सकती है कि आज की तेजी से डिजिटल होती दुनिया में निजता की सुरक्षा बनाये रखना बहुत आवश्यक है। निस्संदेह, नागरिकों को उनकी निजी जानकारी का दुरुपयोग होने से बचाया जाना बेहद जरूरी है। साथ ही यह भी जरूरी है कि निजता की सुरक्षा के लिये बनाया गया कोई कानून प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सत्ताधीशों के लिये ऐसा जरिया नहीं बन जाना चाहिए, जो तथ्यों की तलाश व जांच-पड़ताल में बाधक बने। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि शासन-प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार, सत्ता के दुरुपयोग और कॉर्पोरेट में होने वाली गड़बड़ियों की पड़ताल अकसर ऐसे लोगों पर निर्भर करती है, जो बड़े निजी जेखिम को उठाकर भी वास्तविक तथ्य देश व समाज हित में बतांने को राजी होते हैं। ऐसे में यदि पर्याप्त सुरक्षा उपायों के बिना उनकी पहचान उजागर हो जाती है तो पत्रकारिता की विश्वसनीयता पर इसका व्यापक प्रतिकूल असर पड़ सकता है। फिर जेखिम उठाकर सूचना देने वाले लोग, ऐसा करने से कतराने लगते हैं। इससे जुड़ा एक वास्तविक पहलू यह भी है कि अपने स्रोत की सुरक्षा का अधिकार पत्रकारों को बिना किसी जवाबदेही के काम करने की छूट नहीं देता है। लेकिन यदि कोई अपवाद सामने आता है तो उसे स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जाना चाहिए। उसका सार्वजनिक होना बेहद जरूरी है। वहीं उसकी स्वतंत्र न्यायिक निगरानी होनी चाहिए। ऐसे में न्यूजरूम के रिकॉर्ड तक बिना किसी रोक-टोक के पहुंच होने से, स्रोत की सुरक्षा और जनता के जानने के अधिकार को नुकसान पहुंच सकता है। देश की शीर्ष अदालत से उम्मीद की जाती है कि बहुत सावधानी से निजता और प्रेस की आजादी के बीच संतुलन बनाया जाए। यदि वास्तविक पत्रकारिता के कार्यों के लिये स्पष्ट छूट दी जाती है, और साथ ही गोपनीय स्रोत के उजागर होने से रोकने के लिये सुरक्षा उपाय भी हों, तो इससे यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि कानून जनहित से जुड़ी रिपोर्टिंग में बाधा न बनेगा।

चितन-मनन

सुखी रहना है तो ईश्वर से शिकायत न करें

इंसानों की एक सामान्य आदत है कि तकलीफ में वह भगवान को याद करता है और शिकायत भी करता है कि यह दिन उसे क्यों देखने पड़ रहे हैं। अपने बुरे दिन के लिए इंसान सबसे ज्यादा भगवान को कोसता है। जब भगवान को कोसने के बाद भी समस्या से जल्दी राहत नहीं मिलती है तो सबसे ज्यादा तकलीफ होती है। इसका कारण यह है कि उसे लगता है कि जो उसकी मदद कर सकता है वही कान में रूई डालकर बैठ है। इसलिए महापुरुषों का कहना है कि दुख के समय भगवान को कोसने की बजाय उसका धन्यवाद करना चाहिए। इससे आप खुद को अंदर से मजबूत पाएंगे और समस्याओं से निकलने का रास्ता आप स्वयं ढूंढ लेंगे। भगवान किसी को पेशानी में नहीं डालते और न ही वह किसी को पेशानी से निकाल सकते हैं। भगवान भी अपने कर्तव्य से बंधे हुए हैं। भगवान सिर्फ एक जरिया हैं जो रास्ता दिखाते हैं चलना किधर है यह व्यक्ति को खुद ही तय करना होता है। भगवान श्री कृष्ण ने गीता में इस बात को खुद स्पष्ट किया है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552



विधास कैलाश सारंग

काँग्रेस के 56 वर्षीय युवा शहजादे राहुल गांधी चुनावी हार का शतक पूरा करने की दहलीज पर खड़े हैं। वो ऐसा कीर्तिमान स्थापित करने वाले भारतीय राजनीति के इतिहास के पहले यशस्वी एवं सफल नेता होंगे, जिनके नेतृत्व में चुनाव से पहले ही कांग्रेस पार्टी की हार सुनिश्चित हो जाती है। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस 99 चुनाव हार चुकी है, अब वे जल्द ही चुनावी मैदान में हार का शतक लगाकर एक नया कीर्तिमान स्थापित करेंगे। उनके इस ताबड़तोड़ चुनावी हारों के प्रदर्शन से रोहित शर्मा के दोहरे शतक का रिकॉर्ड भी खतरे में है। हालांकि रोहित शर्मा ने क्रिकेट के मैदान में दोहरा शतक लगाकर देश का गौरव बढ़ाया था। वहीं राहुल गांधी चुनावी हार का शतक लगाकर गांधी परिवार का गौरव बढ़ाएंगे। न भूतो न भविष्यति- जो पहले कभी नहीं हुआ और न ही भविष्य में कभी होगा ऐसी उपलब्धि हासिल करने वाले राहुल गांधी देश व दुनिया के एकमात्र नेता होंगे। वैसे भी महान्या गांधी जी ने आजादी के बाद कांग्रेस को भंग करने की बात कही थी। उनके इस सपने को साकार

99वीं बार फेल काँग्रेस के शहजादे



करने के लिए कांग्रेस के शहजादे राहुल गांधी पूरी तत्परता के साथ जुटे हुए हैं। राहुल गांधी ने चुनाव जीतने के बजाय हार के बाद सफाई देने में विशेषज्ञता हासिल कर ली है। चुनाव कैसे हारना है ये कला राहुल गांधी से सीखनी चाहिए। नतीजे चाहे जैसे भी आए, शहजादे का आत्मविश्वास हमेशा प्रथम श्रेणी में रहता है। प्रतियोगी परीक्षाओं में असफल होने वाले विद्यार्थी भी अपनी कमियों का विश्लेषण करते हैं, अपनी तैयारी सुधारते हैं और फिर नए उसाह के साथ परीक्षा के मैदान में उतरते हैं, लेकिन राहुल गांधी चुनाव में पराजय के बाद ईवीएम, निर्वाचन प्रक्रिया और मीडिया की भूमिका पर सवाल उठाकर अपनी नाकामी छुपाने का प्रयास करते हैं।

काँग्रेस ने हमेशा परिवारवाद की राजनीति को आगे प्रथम श्रेणी में रखा है। इसी का परिणाम है कि राहुल गांधी के 99वीं बार फेल होने के बावजूद उनके नेतृत्व में सवाल ना उठाकर हार का ठीकरा कभी ईवीएम पर, कभी चुनाव आयोग पर, कभी मीडिया पर तो कभी कांग्रेस के छोटे

कार्यकर्ताओं पर फोड़ दिया जाता है। पूरी कांग्रेस पार्टी सिर्फ एक ही परिवार के हाथों की कटपुतली बनकर रह गई है। राहुल गांधी को परिवारवाद की वजह से कुर्सी विरासत में मिल तो गई लेकिन उसे बनाए रखने के लिए जनता का विश्वास नहीं मिला है। किसी भी नेता की सबसे बड़ी ताकत उसका राजनीतिक परिवार नहीं बल्कि जनता का विश्वास होता है। परिवारवाद किसी व्यक्ति को राजनीति में प्रवेश का अवसर दे सकती है, लेकिन जनादेश हासिल करने की गारंटी नहीं दे सकती है। राहुल गांधी को लगातार मिल रही असफलताओं से यह सिद्ध होता है कि भारतीय लोकतंत्र में राजनीति कोई पुरतैनी जागीर नहीं जिसमें परिवार का नाम ही योग्यता का प्रमाण-पत्र बन जाएगा।

राहुल गांधी के लिए चुनाव मानो एक ऐसा आयोजन बन गया है, जिसमें उम्मीदों की फसल हर बार लहलहाती दिखाई जाती है, मगर नतीजों की कटाई के समय कांग्रेस की राजनीतिक गोदाम खाली निकल आती है। इसके बावजूद राहुल गांधी के झूठे दावों की खेती

त्योहारों के बीच सियासी टकराव: व्यापारी क्यों बन रहे हैं आंदोलन के मोहरे?



सौरभ वर्णाय

देश में त्योहारों का मौसम बाजारों में रौनक, कारोबार में तेजी और आम लोगों के चेहरों पर खुशियां लेकर आता है। दीपावली और अन्य त्योहारों के दौरान व्यापारी वर्ग पूरे साल की कमाई के एक बड़े हिस्से की उम्मीद करता है। दुकानदारों से लेकर छोटे कारोबारियों, रेहड़ी-पट्टरी वालों और कर्मचारियों तक, लाखों लोगों की आजीविका इन दिनों के कारोबार पर निर्भर रहती है। ऐसे समय में यदि राजनीतिक आंदोलन, चुनावी रैलियां और विरोध-प्रदर्शन बाजारों तथा व्यापारिक गतिविधियों को प्रभावित करने लगें, तो स्वाभाविक रूप से सवाल उठता है कि आखिर इस टकराव की कीमत व्यापारी वर्ग ही क्यों चुकाए? एक नवंबर को प्रस्तावित चुनावी रैली और राहुल गांधी के नेतृत्व में चल रहे राजनीतिक विरोध के बीच व्यापारिक संगठनों की ओर से त्योहारों के मद्देनजर उठाई जा रही मांगों ने राजनीतिक और सामाजिक बहस को नई दिशा दे दी है। एक तरफ विपक्ष चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता और चुनाव आयोग की आजीविका इन दिनों के कारोबार पर निर्भर रहती है। ऐसे समय में यदि राजनीतिक आंदोलन, चुनावी रैलियां और विरोध-प्रदर्शन बाजारों तथा व्यापारिक गतिविधियों को प्रभावित करने लगें, तो स्वाभाविक रूप से सवाल उठता है कि क्या राजनीतिक दलों को अपने आंदोलन की रणनीति तय करते समय आम नागरिकों और व्यापारियों के हितों को प्राथमिकता नहीं देनी चाहिए? लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन करना विपक्ष का अधिकार है। सरकार से सवाल पूछना, चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग करना और संवैधानिक संस्थाओं की

जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए आवाज उठाना लोकतांत्रिक व्यवस्था का अनिवार्य हिस्सा है। यदि विपक्ष को चुनाव आयोग के कामकाज पर आपत्ति है, तो उसे तथ्य, दस्तावेज और संवैधानिक प्रक्रियाओं के माध्यम से अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है। लेकिन किसी भी आंदोलन की सफलता केवल भीड़ जुटाने या राजनीतिक संदेश देने से नहीं मापी जानी चाहिए। यह भी देखना आवश्यक है कि उस आंदोलन का आम जनता पर क्या प्रभाव पड़ रहा है। त्योहारों के दौरान बाजारों में ग्राहकों की आवाजाही, माल की आपूर्ति, यातायात और दुकानों के संचालन में व्यवधान छोटे व्यापारियों के लिए गंभीर आर्थिक नुकसान का कारण बन सकता है।

बड़े कारोबारी कुछ समय का नुकसान सहन कर सकते हैं, लेकिन छोटे दुकानदार, दैनिक आय पर निर्भर विक्रेता और सीमित पूंजी से कारोबार करने वाले व्यापारी हर दिन की कमाई पर निर्भर रहते हैं। ऐसे में व्यापारिक संगठनों की मांग को केवल राजनीतिक विरोध के चश्मे से देखना उचित नहीं होगा। इस पूरे घटनाक्रम में सरकार की भूमिका पर भी सवाल उठना स्वाभाविक है। यदि आंदोलन को लेकर राजनीतिक गतिरोध बढ़ रहा है, तो सरकार और संबंधित संस्थाओं को संवाद का रास्ता तलाशना चाहिए। हालांकि, यह निष्कर्ष निकालने के लिए पर्याप्त प्रमाण आवश्यक हैं कि सरकार ने जानबूझकर ऐसा राजनीतिक पेच खड़ा किया है, जिससे आंदोलन समाप्त हो जाए या विपक्ष दबाव में आ जाए। राजनीति में आरोप प्रत्यारोप आम हैं, लेकिन लोकतंत्र में किसी भी आरोप की विश्वसनीयता तथ्यों से तय होती है। सरकार को चाहिए कि वह विपक्ष की शिकायतों का जवाब दे, चुनावी प्रक्रिया को लेकर उठने वाली आशंकाओं को दूर करे और यह सुनिश्चित करे कि किसी भी राजनीतिक गतिविधि के कारण आम नागरिकों के अधिकारों तथा आजीविका पर अनावश्यक असर न पड़े।

इसी तरह विपक्ष को भी यह स्पष्ट करना चाहिए कि उसका आंदोलन किन ठोस मांगों पर आधारित है, उसकी समय-सीमा क्या है और आम लोगों को कम से कम पेशानी पहुंचाते हुए उसे कैसे आगे बढ़ाया जा सकता है।

चुनाव आयोग के शीर्ष पदाधिकारी की जवाबदेही तय होनी चाहिए और उनकी मांग पूरी होने पर आंदोलन समाप्त हो सकता है, राजनीतिक बहस का महत्वपूर्ण विषय है। यदि विपक्ष का दावा है कि चुनावी प्रक्रिया में अनियमितताएं हुई हैं, तो उसे अपने आरोपों के समर्थन में ठोस प्रमाण प्रस्तुत करने चाहिए। वहीं, चुनाव आयोग को भी अपनी संवैधानिक स्वतंत्रता, निष्पक्षता और पारदर्शिता के प्रति जनता का विश्वास बनाए रखना चाहिए। लेकिन किसी संवैधानिक पदाधिकारी का इस्तीफा मांगना और उसे तत्काल स्वीकार करना दो अलग अलग बातें हैं। चुनाव आयोग के प्रमुख का पद किसी राजनीतिक दल की इच्छा से संचालित नहीं हो सकता। उनकी नियुक्ति, कार्यकाल और पद से हटाने की प्रक्रिया कानून तथा संविधान के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित होती है। इसलिए यह कहना कि केवल इस्तीफा होते ही तीस सेकंड में आंदोलन समाप्त हो जाएगा, राजनीतिक वक्तव्य तो हो सकता है, लेकिन इसे समस्या के समाधान की गारंटी नहीं माना जा सकता। यदि वास्तविक उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया में विश्वास बहाल करना है, तो समाधान पारदर्शी जांच, तथ्यों के सार्वजनिक स्पष्टीकरण और संवैधानिक प्रक्रियाओं के पालन में तलाशना होगा। केवल इस्तीफे की मांग पर अड़े रहना या बिना जवाब दिए मांग को खारिज कर देना, दोनों ही स्थितियां राजनीतिक गतिरोध को बढ़ा सकती हैं। व्यापारी किसी राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं हैं। वे देश की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार हैं। बाजारों में काम करने वाले लाखों लोगों के सामने किराया, बिजली बिल, कर्मचारियों का वेतन, माल की खरीद और बैंक की किरतों जैसी जिम्मेदारियां होती हैं। त्योहारों के समय बिज्री प्रभावित होने का नुकसान केवल दुकान के मालिक को नहीं, बल्कि उससे जुड़े पूरे परिवार और कर्मचारियों को भी उठाना पड़ता है।इसलिए व्यापारिक संगठनों की मांगों को गंभीरता से सुनना सरकार और विपक्ष, दोनों की जिम्मेदारी है। यदि रैली या आंदोलन के लिए स्थान, समय और मार्ग में बदलाव करके व्यापारिक गतिविधियों को सुरक्षित रखा जा सकता है, तो ऐसा करने में किसी पक्ष को राजनीतिक हार नहीं माननी चाहिए।सरकार को कानून-व्यवस्था और नागरिक



सुविधाओं का संतुलन बनाए रखना चाहिए। विपक्ष को शक्तिपूर्ण विरोध का अधिकार इस्तेमाल करते हुए यह ध्यान रखना चाहिए कि उसकी रणनीति से आम लोगों को अनावश्यक परेशानी न हो। प्रशासन को भी निष्पक्ष भूमिका निभाते हुए यातायात, सुरक्षा और बाजारों के संचालन के लिए स्पष्ट व्यवस्था करनी चाहिए। आज आवश्यकता इस बात की है कि राजनीतिक दल व्यापारियों को अपने पक्ष में खड़ा करने के बजाय उनकी समस्याओं का समाधान करें। व्यापारिक संगठनों को भी अपनी मांगें स्पष्ट रूप से सामने रखनी चाहिए और राजनीतिक विवादों में किसी एक पक्ष का औजार बनने से बचना चाहिए। एक नवंबर की रैली और आंदोलन को लेकर यदि कोई विवाद है, तो संबंधित पक्षों के बीच तत्काल बातचीत होनी चाहिए। रैली के समय और स्थान का ऐसा निर्धारण किया जा सकता है, जिससे विरोध का लोकतांत्रिक अधिकार भी सुरक्षित रहे और त्योहारों का कारोबार भी प्रभावित न हो। इसके साथ ही चुनाव आयोग से जुड़े सवालों पर तथ्यों के आधार पर सार्वजनिक संवाद होना चाहिए। लोकतंत्र में सरकार की जवाबदेही जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी विपक्ष का जिम्मेदार आचरण भी है। विरोध करना विपक्ष का अधिकार है, लेकिन जनता के हितों की रक्षा करना किसी राजनीतिक जिम्मेदारी भी है। इसी प्रकार सरकार को भी आलोचना को दबाने के बजाय उसका उत्तर देना चाहिए। लोकतंत्र की असली परीक्षा यही है कि राजनीतिक संघर्ष के बीच भी जनता के हित सर्वोपरि रहें। लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

का पर्व

ओट में प्रकाश करके बहन को कहा कि देखो चन्द्रमा निकल आया है। बहन भोली थी, इसलिए भाईयों की बात पर विश्वास करके उसने उस प्रकाश को ही चन्द्रमा मानकर उसे ही अर्घ्य देकर व्रत खोल लिया लेकिन जब आगले दिन वह ससुराल पहुंची तो पति को बहुत बीमार पाया। दिन ब दिन पति की बीमारी बढ़ती गई और सारी जमा पूंजी पति की बीमारी में ही लग गई तो उसने मंदिर में जाकर गणेश जी की स्तुति करनी शुरू की। उसकी प्रार्थना पर प्रसन्न होकर गणेश ने उसके समक्ष प्रकट होकर कहा कि तुमने करवा चौथ का व्रत पूरे विधि विधान से नहीं किया, इसीलिए तुम्हारे पति की यह दशा हुई है। यदि तुम यह व्रत पूरे विधि विधान एवं निष्ठ के साथ करो तो तुम्हारा पति पूरी तरह ठीक हो जाएगा। उसके बाद उसने करवा चौथ का व्रत पूरे विधि विधान के साथ किया और इसके प्रभाव से उसका पति ठीक हो गया।

यह कथा सुनाने के बाद भगवान श्रीकृष्ण ने द्रौपदी से कहा कि यदि तुम भी इसी प्रकार विधिपूर्वक सच्चे मन से करवा चौथ का व्रत करो तो तुम्हारे समस्त संकट अपने आप दूर हो जाएंगे। तब द्रौपदी ने करवा चौथ का व्रत रखा और उसके व्रत के प्रभाव से महाभारत के युद्ध में पांडवों की विजय हुई। अतः करवा चौथ के व्रत के उद्गम को इस प्रसंग से भी जोड़कर देखा जाता है और कहा जाता है कि इसी के बाद सुहागिन 'करवा चौथ' व्रत रखने लगीं। इस पर्व से संबंधित और भी कई कथाएं प्रचलित हैं, जिनमें सत्यवान और सकित्री की कहानी तथा करवा नामक एक धोबिन की कहानी भी बहुत प्रसिद्ध हैं।

इस पर्व की शुरुआत एक बहुत अच्छे विचार पर आधारित थी मगर समय के साथ इस पर्व का मूल विचार और परिदृश्य बदल रहा है। पौराणिक कथाओं के अनुरात इस व्रत का फल तभी है, जब यह व्रत करने वाली महिला भूलश्रय भी झूठ, कपट, निंदा, अभिमान न करे। इस व्रत से जहां पति के प्रति पत्नी की निष्ठा एवं समर्पण भाव परस्फित होता है, वहीं यह पर्व दाम्पत्य जीवन में आपसी विश्वास और भरोसे को मजबूत करने तथा संबंधों में मधुरता घोलने का लौहार है। सही मायने में करवा चौथ दाम्पत्य जीवन में एक-दूसरे के प्रति समर्पण का अनुत्तु पर्व है। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)



यातायात नियमों के उल्लंघन पर एक दिन में 457 वाहनों के चालान



अमरोहा (सब का सपना):- बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए अमरोहा पुलिस ने मंगलवार को विशेष चेकिंग अभियान चलाया। एसपी के निर्देशन में शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों और गंगा एक्सप्रेसवे तक सघन चेकिंग की गई। अभियान में कुल 457 ई-चालान कर 8.17 लाख रुपये का जुमाना लगाया गया। इसमें बिना हेलेमेट 117, ओवर स्पीडिंग 184, नो पार्किंग 44, बिना लाइसेंस 15, बिना नंबर प्लेट 12, बिना इंश्योरेंस 09, बिना सीट बेल्ट 09 व अन्य धाराओं में 66 चालान शामिल हैं।

द आर्यन्स में हुआ अंतरसादनीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन



अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के द आर्यन्स, जोया में बुधवार को विद्यार्थियों की चपलता, स्फूर्ति एवं खेल भावना को परखने के लिए कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें अतुल्य सदन से अक्ष चौधरी, आरव धारीवाल, प्रीत सिंह, सुबन रजा,कुशाग्र,आरव चौधरी, सचिन, उबेद -उर- रहमान, आदित्य,लक्ष्य सैनी, अग्रिम सदन से हर्षित, कुशाग्र,अल्माज, कर्तिकेय, हर्ष,कानुष,यश, गुरमीत, फैजुल,आयुष, अगम्य सदन से आरहान,पर्व, नक्ष,प्रयाग, मयंक, कुशाग्र,गर्वित, समीर, लक्ष्य, देव और अपराजित सदन से शौर्य, अंशिल, अर्णव,अफान,आदित्य, हर्ष,हिमांक, यसब,आयुष, प्रतीक आदि विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों की खेल के प्रति सझ एवं सृझ - बूझ, लगन और खेल भावना को देखकर उपस्थित सभी शिक्षकगण आनंदित हो उठे। बच्चो को खेल संबंधी इस प्रतियोगिता में अपराजित सदन ने प्रथम, अगम्य सदन ने द्वितीय एवं अग्रिम सदन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के इस अवसर पर प्रधानाचार्य आदेश सिंह ने विद्यार्थियों के दर्शन, एवं कबड्डी के प्रति उत्साह की सराहना करते हुए बताया कि हमारे जीवन में खेलों का कितना महत्व है। स्वस्थ शारीर में स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है इस अवसर पर प्रबंधक चौधरी हरपाल सिंह और अनिल कुमार सिंह विद्यार्थियों के कबड्डी के प्रति उत्साह एवं जज्बे के सराहना करते हुए उन्हें अपना शुभाषीष प्रदान किया एवं निदेशक महोदय अमन लिट्टा एवं गौरव चौधरी ने विद्यार्थियों के धैर्य एवं बुद्धिमत्ता की सराहना करते हुए उन्हें बताया कि खेल केवल शरीर को ही नहीं बल्कि हमारे जीवन को भी बल प्रदान करते हैं। कार्यक्रम संबंधी समस्त गतिविधि का संचालन गतिविधि प्रभारी जागृति कौशिक एवं प्रतियोगिता संबंधी समस्त प्रक्रिया खेल विभाग के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह की देखरेख में पूर्ण हुई। इस दौरान विद्यालय के शिक्षकगण मोहिनी प्रमा, स्वीटी, अंजना, संतोष कुमार, सचिन शर्मा,विपिन,ममता, सारिता, जेष्ठा, मोनिका यादव शालिनी भारद्वाज ,चांदनी बत्रा, , विजय सैनी, ज्योति सैनी, याचिका, धीरज चौधरी,सुरभि, शिखा, सुनीता चौधरी, शीतल, आजाय नकवी, सुमित, शुभम मांडेय,शुभम शर्मा,मीना, खुशबू आदि उपस्थित रहे '

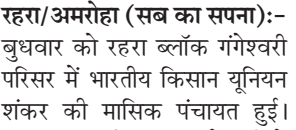
ग्राम पंचायत रामपुर सफेद बाग विकासखंड अमरोहा जनपद अमरोहा

क्र.सं.	सभा का नाम	पुरुष/महिला	र
1	सीरेर	श्री बेहरा	
2	बसु से	स.र.कै.	
3	बनगुट	स.र.कै.	
4	20 एकड़क बहरी	स.र.कै.	
5	40 एकड़क ई.होी	स.र.कै.	
6	ई.ग्राम अंी एक-150	श्री नगुहार	
7	ई बहारत एक-275	श्री नगुहार	
8	इरलत रईस 80 एकड़क	श्री नगुहार	
9	इरलत रईस 60 एकड़क	श्री नगुहार	
10	पराध घर के अंमिन इलुमैर/ पराध व ममम	श्री नगुहुर	
11	पुनकाल इलुमैर/ममम	श्री नगुहुर	
12	टीयर रईस	रं रैर	
13	रवं रईस	रं रैर	
14	सीरा	श्री कुन	
15	लेंगे की पनचरई	श्री कुन	
16	लेंगे का रत	श्री कुन	
17	सीरेर की घररईर रेड की घर	रं रैर/न	
18	मैुरी ली सीर	स.र.कै.	
19	लकड़ी के ठरले /कमिनीर/टिबर/रवं	श्री न	
20	सीर लईर न्यामम उरकल	श्री न	
21	रुई लईर न्यामम उरकल	श्री न	
22	ई रैश	श्री न	
23	केरैरी समी	श्री नगुर्कै	
24	किनी उरकल	श्री न	
25	लेंगे का रंशिल तर	श्री रं कै.	
26	पंशिंग मीनचरं मीर	श्री न	
27	सी-सी रैस रैर	श्री न	
28	इरईर/मममुरईर रैरलत ममम	श्री न	
29	कुन गारुईरैरी एं सफई रैर	श्री न	
30	सीरिंग, रूईर/गुईर, रंशिंग पाउर व डन डीरलत व कलमक रैकल टार	श्री किरैर/रैर	
31	उरईर लोहा समी	श्री कै.	
32	डिरेन रत पूरु, रैर कोमन अरै	श्री किरै	
33	डिरेन रत पूरु, रैर कोमन अरै	श्री किरै	
34	री-सी-सी पांर एं कै-रई-पांर रैर/न ममम समी	श्री रीन-रैर	
34	रैर/न ममम समी	श्री रीन-रैर	
35	रैर/न किरै समी	श्री रीन-रैर	
36	रारं एं रंश	श्री रं पूर	
37	रार-सी-सी पांर/रुगुगुंर	श्री रीन-रैर	
38	रार कुन रार-रै-रै सीर	श्री न	
39	रीन रार रारवं उरकल	श्री पूर	
40	रुईरैर	श्री पूर	
41	रनकि समी	श्री न	
42	ओर किर डेर रैर उरकल/रार व रैरिंग ममम	श्री न	
43	इरुईर/रैर रवं समी	श्री न	
44	लेंगे का रैर व डिडि	श्री न	

नै-01-रैर किरै रंरलत/रुईरक के रैरि कंई पी न/रिग/रिग ररन न/रर है रैर रूमरैर कें लूमै री कइरई के मनको कें रीररं रर रें पूं करन र्ण।
02-रमर रें रैर रं रर पाउर रर व रैरै ररं कें रमरं/रुईर के रैरि रीरुं क ररई।

ग्राम प्रशासक, ग्राम पंचायत रामपुर सफेद बाग विकासखंड अमरोहा, जनपद अमरोहा	सचिव, रामपुर सफेद बाग विकासखंड अमरोहा, जनपद अमरोहा
--	--

रहरा ब्लॉक में भाकियू शंकर की पंचायत में जिलाधिकारी के नाम खंड विकास अधिकारी को सौंपा 8 सूत्रीय ज्ञापन



रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- बुधवार को रहरा ब्लॉक गंगेश्वरी परिसर में भारतीय किसान यूनियन शंकर की मासिक पंचायत हुई। अध्यक्षता धर्मपाल सिंह नेताजी ने की, संचालन कमल सिंह ठाकुर ने किया। पंचायत के बाद किसानों ने जिलाधिकारी के नाम 8 सूत्रीय ज्ञापन खंड विकास अधिकारी को सौंपा।

ज्ञापन में मां अवंतिका मंदिर के सामने पक्का पुल बनाने, आवारा



पशुओं को गौशाला भेजने, गन्ना रेट 600 रुपये करने, बाढ़ प्रभावित

गंगा मेला तिगरी में कश्यप समाज की सभा को लेकर बैठक

ढवारी/अमरोहा (सब का सपना):- गंगा मेला तिगरी में कश्यप

सभा आयोजित करने को लेकर बुधवार को ढवारीस में पूर्व प्रधान के आवास पर कश्यप समाज की बैठक हुई। जिसमें सभा के आयोजन और उसकी तैयारियों को लेकर समाज के लोगों ने विचार विमर्श किया। बैठक की अध्यक्षता हरिओम सिंह ने की तथा संचालन डाक्टर भगवंत सिंह कश्यप ने किया। बैठक में गंगा मेला तिगरी में कश्यप समाज की सभा



आयोजित करने को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। वक्ताओं

मंडी धनौरा क्षेत्र में विवाद के बाद फायरिंग की घटना, सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए आरोपी

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा

थाना क्षेत्र में मामूली विवाद के बाद फायरिंग करने की घटना का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि विवाद के बाद कुछ बाइक सवार युवकों ने तमचे से फायरिंग करते हुए क्षेत्र में दहशत का माहौल बना दिया। बता दें कि थाना क्षेत्र के पेली तणा गांव में मोमोज के ठेले पर हुए मामूली विवाद के बाद जमकर बाइक सवार युवकों ने तमचों के फायरिंग करते हुए क्षेत्र दहशत फैला दी जिससे पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के मुताबिक यह घटना मंगलवार की देर शाम करीब



साढ़े सात बजे के आसपास गांव पेली तणा अड्डे के पास हुई। ठेले मालिक और एक युवक के बीच किसी बात को लेकर कहसुनी हो गई थी। कुछ देर बाद वह युवक अपने साथ से आठ अज्ञात साथियों के साथ तीन-चार बाइकों पर पहुंचा मुंह पर कपड़ा बांधे इन युवकों ने ताबडुतोड़ फायरिंग की, गालियां दीं और ग्रामीणों को जान से मारने

की धमकी देकर भाग गए। मौके पर फरजंद अली, इरफान, लोकेश, शाहरुख, सैफ अली, गफ्फार, मुराद अली, साहिद, मुने, इसरा, लियाकत, कलुआ, रफीक और हबीब समेत कई ग्रामीण मौजूद थे, जिन्होंने इस घटना की पुष्टि की। ग्रामीणों ने तुरंत रामपुर तणा पुलिस चौकी को सूचना दी। ग्राम प्रधान पति रिफाकत अली ने बताया

ग्राम पंचायत मोहनपुर शुमाली विकासखंड अमरोहा जनपद अमरोहा

क्र.सं.	सभा का नाम	पुरुष/महिला	र
1	सीरेर	श्री बेहरा	
2	बसु से	स.र.कै.	
3	बनगुट	स.र.कै.	
4	20 एकड़क बहरी	स.र.कै.	
5	40 एकड़क ई.होी	स.र.कै.	
6	ई.ग्राम अंी एक-150	श्री नगुहार	
7	ई बहारत एक-275	श्री नगुहार	
8	इरलत रईस 80 एकड़क	श्री नगुहार	
9	इरलत रईस 60 एकड़क	श्री नगुहार	
10	पराध घर के अंमिन इलुमैर/ पराध व ममम	श्री नगुहुर	
11	पुनकाल इलुमैर/ममम	श्री नगुहुर	
12	टीयर रईस	रं रैर	
13	रवं रईस	रं रैर	
14	सीरा	श्री कुन	
15	लेंगे की पनचरई	श्री कुन	
16	लेंगे का रत	श्री कुन	
17	सीरेर की घररईर रेड की घर	रं रैर/न	
18	मैुरी ली सीर	स.र.कै.	
19	लकड़ी के ठरले /कमिनीर/टिबर/रवं	श्री न	
20	सीर लईर न्यामम उरकल	श्री न	
21	रुई लईर न्यामम उरकल	श्री न	
22	ई रैश	श्री न	
23	केरैरी समी	श्री नगुर्कै	
24	किनी उरकल	श्री न	
25	लेंगे का रंशिल तर	श्री रं कै.	
26	पंशिंग मीनचरं मीर	श्री न	
27	सी-सी रैस रैर	श्री न	
28	इरईर/मममुरईर रैरलत ममम	श्री न	
29	कुन गारुईरैरी एं सफई रैर	श्री न	
30	सीरिंग, रूईर/गुईर, रंशिंग पाउर व डन डीरलत व कलमक रैकल टार	श्री किरैर/रैर	
31	उरईर लोहा समी	श्री कै.	
32	डिरेन रत पूरु, रैर कोमन अरै	श्री किरै	
33	डिरेन रत पूरु, रैर कोमन अरै	श्री किरै	
34	री-सी-सी पांर एं कै-रई-पांर रैर/न ममम समी	श्री रीन-रैर	
34	रैर/न ममम समी	श्री रीन-रैर	
35	रैर/न किरै समी	श्री रीन-रैर	
36	रारं एं रंश	श्री रं पूर	
37	रार-सी-सी पांर/रुगुगुंर	श्री रीन-रैर	
38	रार कुन रार-रै-रै सीर	श्री न	
39	रीन रार रारवं उरकल	श्री पूर	
40	रुईरैर	श्री पूर	
41	रनकि समी	श्री न	
42	ओर किर डेर रैर उरकल/रार व रैरिंग ममम	श्री न	
43	इरुईर/रैर रवं समी	श्री न	
44	लेंगे का रैर व डिडि	श्री न	

नै-01-रैर किरै रंरलत/रुईरक के रैरि कंई पी न/रिग/रिग ररन न/रर है रैर रूमरैर कें लूमै री कइरई के मनको कें रीररं रर रें पूं करन र्ण।
02-रमर रें रैर रं रर पाउर रर व रैरै ररं कें रमरं/रुईर के रैरि रीरुं क ररई।

ग्राम प्रशासक, ग्राम पंचायत मोहनपुर शुमाली विकासखंड अमरोहा, जनपद अमरोहा	सचिव, मोहनपुर शुमाली विकासखंड अमरोहा, जनपद अमरोहा
---	---

ग्राम पंचायत पेली चौहान विकासखंड अमरोहा जनपद अमरोहा

क्र.सं.	सभा का नाम	पुरुष/महिला	र
1	सीरेर	श्री बेहरा	
2	बसु से	स.र.कै.	
3	बनगुट	स.र.कै.	
4	20 एकड़क बहरी	स.र.कै.	
5	40 एकड़क ई.होी	स.र.कै.	
6	ई.ग्राम अंी एक-150	श्री नगुहार	
7	ई बहारत एक-275	श्री नगुहार	
8	इरलत रईस 80 एकड़क	श्री नगुहार	
9	इरलत रईस 60 एकड़क	श्री नगुहार	
10	पराध घर के अंमिन इलुमैर/ पराध व ममम	श्री नगुहुर	
11	पुनकाल इलुमैर/ममम	श्री नगुहुर	
12	टीयर रईस	रं रैर	
13	रवं रईस	रं रैर	
14	सीरा	श्री कुन	
15	लेंगे की पनचरई	श्री कुन	
16	लेंगे का रत	श्री कुन	
17	सीरेर की घररईर रेड की घर	रं रैर/न	
18	मैुरी ली सीर	स.र.कै.	
19	लकड़ी के ठरले /कमिनीर/टिबर/रवं	श्री न	
20	सीर लईर न्यामम उरकल	श्री न	
21	रुई लईर न्यामम उरकल	श्री न	
22	ई रैश	श्री न	
23	केरैरी समी	श्री नगुर्कै	
24	किनी उरकल	श्री न	
25	लेंगे का रंशिल तर	श्री रं कै.	
26	पंशिंग मीनचरं मीर	श्री न	
27	सी-सी रैस रैर	श्री न	
28	इरईर/मममुरईर रैरलत ममम	श्री न	
29	कुन गारुईरैरी एं सफई रैर	श्री न	
30	सीरिंग, रूईर/गुईर, रंशिंग पाउर व डन डीरलत व कलमक रैकल टार	श्री किरैर/रैर	
31	उरईर लोहा समी	श्री कै.	
32	डिरेन रत पूरु, रैर कोमन अरै	श्री किरै	
33	री-सी-सी पांर एं कै-रई-पांर रैर/न ममम समी	श्री रीन-रैर	
34	रैर/न ममम समी	श्री रीन-रैर	
35	रैर/न किरै समी	श्री रीन-रैर	
36	रारं एं रंश	श्री रं पूर	
37	रार-सी-सी पांर/रुगुगुंर	श्री रीन-रैर	
38	रार कुन रार-रै-रै सीर	श्री न	
39	रीन रार रारवं उरकल	श्री पूर	
40	रुईरैर	श्री पूर	
41	रनकि समी	श्री न	
42	ओर किर डेर रैर उरकल/रार व रैरिंग ममम	श्री न	
43	इरुईर/रैर रवं समी	श्री न	
44	लेंगे का रैर व डिडि	श्री न	

ग्राम पंचायत बीबीदा कलां विकासखंड अमरोहा जनपद अमरोहा

क्र.सं.	सभा का नाम	पुरुष/महिला	र
1	सीरेर	श्री बेहरा	
2	बसु से	स.र.कै.	
3	बनगुट	स.र.कै.	
4	20 एकड़क बहरी	स.र.कै.	
5	40 एकड़क ई.होी	स.र.कै.	
6	ई.ग्राम अंी एक-150	श्री नगुहार	
7	ई बहारत एक-275	श्री नगुहार	
8	इरलत रईस 80 एकड़क	श्री नगुहार	
9	इरलत रईस 60 एकड़क	श्री नगुहार	
10	पराध घर के अंमिन इलुमैर/ पराध व ममम	श्री नगुहुर	
11	पुनकाल इलुमैर/ममम	श्री नगुहुर	
12	टीयर रईस	रं रैर	
13	रवं रईस	रं रैर	
14	सीरा	श्री कुन	
15	लेंगे की पनचरई	श्री कुन	
16	लेंगे का रत	श्री कुन	
17	सीरेर की घररईर रेड की घर	रं रैर/न	
18	मैुरी ली सीर	स.र.कै.	
19	लकड़ी के ठरले /कमिनीर/टिबर/रवं	श्री न	
20	सीर लईर न्यामम उरकल	श्री न	
21	रुई लईर न्यामम उरकल	श्री न	
22	ई रैश	श्री न	
23	केरैरी समी	श्री नगुर्कै	
24	किनी उरकल	श्री न	
25	लेंगे का रंशिल तर	श्री रं कै.	
26	पंशिंग मीनचरं मीर	श्री न	
27	सी-सी रैस रैर	श्री न	
28	इरईर/मममुरईर रैरलत ममम	श्री न	
29	कुन गारुईरैरी एं सफई रैर	श्री न	
30	सीरिंग, रूईर/गुईर, रंशिंग पाउर व डन डीरलत व कलमक रैकल टार	श्री किरैर/रैर	
31	उरईर लोहा समी	श्री कै.	
32	डिरेन रत पूरु, रैर कोमन अरै	श्री किरै	
33	री-सी-सी पांर एं कै-रई-पांर रैर/न ममम समी	श्री रीन-रैर	
34	रैर/न ममम समी	श्री रीन-रैर	
35	रैर/न किरै समी	श्री रीन-रैर	
36	रारं एं रंश	श्री रं पूर	
37	रार-सी-सी पांर/रुगुगुंर	श्री रीन-रैर	
38	रार कुन रार-रै-रै सीर	श्री न	
39	रीन रार रारवं उरकल	श्री पूर	
40	रुईरैर	श्री पूर	
41	रनकि समी	श्री न	
42	ओर किर डेर रैर उरकल/रार व रैरिंग ममम	श्री न	
43	इरुईर/रैर रवं समी	श्री न	
44	लेंगे का रैर व डिडि	श्री न	

नै-01-रैर किरै रंरलत/रुईरक के रैरि कंई पी न/रिग/रिग ररन न/रर है रैर रूमरैर कें लूमै री कइरई के मनको कें रीररं रर रें पूं करन र्ण।
02-रमर रें रैर रं रर पाउर रर व रैरै ररं कें रमरं/रुईर के रैरि रीरुं क ररई।

ग्राम प्रशासक, ग्राम पंचायत बीबीदा कलां विकासखंड अमरोहा, जनपद अमरोहा	सचिव, बीबीदा कलां विकासखंड अमरोहा, जनपद अमरोहा
--	--

सरदार पटेल की जयंती पर भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने आयोजित की संगोष्ठी

संभल (सब का सपना):—भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय पर पिछड़ा वर्ग मोर्चा जनपद संभल की जिला बैठक आयोजित की गई। बैठक में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व एमएलसी चंद्रपाल सिंह पण्णू चौधरी ने भाग लिया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए चंद्रपाल सिंह पण्णू चौधरी ने सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन और उनके योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने देश की सैकड़ों रियासतों का विलय कर भारत को एकजुट करने में महत्वपूर्ण



भूमिका निभाई। उनके प्रयासों से देश की एकता और अखंडता को मजबूती मिली। उन्होंने कहा कि गुजरात में स्थापित विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी सरदार पटेल के प्रति सम्मान का

प्रतीक है। उन्होंने कार्यक्रमताओं से सरदार पटेल के आदर्शों और उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की एकता और अखंडता बनाए रखना तथा देश के विकास में योगदान देना

ही सरदार पटेल के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। कार्यक्रम की अध्यक्षता पिछड़ा वर्ग मोर्चा के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष मदनलाल खड़गवंशी ने की। बैठक में संगठन की गतिविधियों और कार्यकताओं की भूमिका पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर जिला महामंत्री शिल्पी गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष सौरभ गुप्ता, गनौर नगर पंचायत अध्यक्ष पति धर्मेन्द्र प्रजापति, अनुसूचित मोर्चा के अध्यक्ष महावीर जाटव, किसान मोर्चा के अध्यक्ष नेनाल यादव, अन्य प्रजापति, मंडल उपाध्यक्ष नीरज राणा सहित विभिन्न मंडलों के अध्यक्ष और बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुलिस के परिवार परामर्श केंद्र ने बिछड़े पांच परिवारों को मिलाया 11 मामलों का किया निस्तारण

संभल (सब का सपना):—जनपद के पुलिस अधीक्षक विकास चंद्र त्रिपाठी के आदेश अनुसार तथा अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिण मनोज रावत और क्षेत्राधिकारी स्तुति सिंह के मार्गदर्शन में पुलिस परिवार परामर्श सुलह-समझौता केंद्र की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। चंदौसी स्थित गौशाला रोड पिक चौकी परामर्श केंद्र में आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता महिला थानाध्यक्ष एवं परामर्श केंद्र प्रभारी डॉ. रुकम पाल सिंह ने की। इस विशेष बैठक का मुख्य उद्देश्य पति-पत्नी और परिजनों के बीच पनपे आपसी मनमुटाव व पारिवारिक विवादों को आपसी समझ और



काउंसिलिंग के जरिए सुलझाया था। बैठक के दौरान काउंसलरों ने कुल 36 पारिवारिक विवाद से जुड़ी पत्रावलियों पर गहनता से सुनवाई की। दोनों पक्षों की दलीलों और समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनने के

बाद काउंसलरों के सहयोग से 11 पत्रावलियों का पूरी तरह निस्तारण कर दिया गया। इस दौरान 5 ऐसे बिखर रहे परिवारों को समझ-बुझाकर और उनके मतभेद दूर कराकर पुनः एक साथ रहने के लिए

राजी किया गया। इसके अतिरिक्त 3 पत्रावलियों में सहमति न बन पाने के कारण विधिक कार्यवाही की संस्तुति की गई जबकि 3 अन्य मामलों में आवेदकों द्वारा आगे पैरवी न करने अथवा अन्य कारणों से उन्हें फाइल बंद कर दिया गया।पारिवारिक रिश्तों को टूटने से बचाने और उन्हें फिर से जोड़ने के इस सराहनीय प्रयास में केंद्र की टीम ने अहम भूमिका निभाई। इस अवसर पर काउंसलर श्वेता गुप्ता, संगीता भार्गव, पूनम अरोरा, सब-इंस्पेक्टर महेश गंगवार, रेनु राठी, हेड कॉन्स्टेबल मनोहर सिंह और रुचि सहित परामर्श केंद्र के अन्य पुलिसकर्मी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

शिक्षकों को दिया गया संवैधानिक साक्षरता और बाल सुरक्षा कानूनों का प्रशिक्षण



बहजोई/संभल (सब का सपना):—राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली और उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संभल स्थित चन्दौसी की ओर से बुधवार को नवीन कलेक्ट्रेट सभागार भवन बहजोई में शिक्षक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। दोपहर तीन बजे से शाम पांच बजे तक चले इस शिविर में जनपद के विभिन्न विद्यालयों से नामित शिक्षकों और प्रभारी शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण शिविर का मुख्य उद्देश्य जनपद के विद्यालयों में संवैधानिक साक्षरता का प्रसार करना और लीगल लिटरेसी क्लब के माध्यम से संविधान संवाद कार्यक्रम तथा विवज प्रतियोगिता को प्रभावी

ढंग से संचालित करना रहा। इसके जरिए विद्यार्थियों को संविधान के प्रति जागरूक करने और उन्हें कानूनी अधिकारों एवं कर्तव्यों की जानकारी देने पर जोर दिया गया।कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रभारी सचिव दीपक कुमार जायसवाल ने विशेष समिति का गठन किया। समिति में प्रभारी सचिव दीपक कुमार जायसवाल के साथ संजोव कुमार प्रदीप कुमार मिश्रा और एसएम लॉ कॉलेज चन्दौसी के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सचिन मिश्रा शामिल रहे। प्रशिक्षण सत्र में शिक्षकों को संविधान निर्माण की ऐतिहासिक प्रक्रिया और संविधान निमाताओं के योगदान के बारे में जानकारी दी गई।

संविधान की प्रस्तावना में निहित मूल उद्देश्यों के साथ नागरिकों के मौलिक अधिकारों और मौलिक कर्तव्यों को विस्तार से समझाया गया। इसके अलावा संविधान के अनुच्छेद 32 और 226 के अंतर्गत उपलब्ध संवैधानिक उपचारों की जानकारी भी दी गई।शिक्षकों को राज्य सरकार के विभिन्न अंगों की संरचना और लोकतांत्रिक चुनाव प्रक्रिया के बारे में भी प्रशिक्षित किया गया। बाल सुरक्षा से जुड़े कानूनों पर विशेष जोर देते हुए पोक्सो अधिनियम बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम और बाल श्रम उन्मूलन से संबंधित प्रावधानों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि बच्चों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने और उनके अधिकारों की रक्षा करने

में जागरूकता की महत्वपूर्ण भूमिका है। विद्यालयों में लीगल लिटरेसी क्लब के गठन उसके रखरखाव और व्यावहारिक संचालन के बारे में भी विस्तार से बताया गया। प्रशिक्षित शिक्षकों को निर्देश दिए गए कि वे अपने-अपने विद्यालयों में लौटकर संविधान संवाद कार्यक्रम और विवज प्रतियोगिता का प्रभावी ढंग से संचालन करें तथा विद्यार्थियों को संवैधानिक अधिकारों कानूनों और नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक करें। इस प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से विद्यालयों में कानूनी जागरूकता बढ़ाने और विद्यार्थियों को संविधान के मूल सिद्धांतों से परिचित कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई।

बछरायूं क्षेत्र में सदिग्ध हालातों में युवक की गोली लगकर मौत ,खून से लथपथ पड़ा मिला शव

फायरिंग की आवाज सुनीं तो परिजन घटनास्थल की ओर दौड़े,पुलिस हर एंगल से जांच पड़ताल में जुटी



बछरायूं/अमरोहा (सब का सपना):— जनपद के बछरायूं थाना क्षेत्र में बुधवार के दोपहर एक 24 वर्षी युवक की सदिग्ध हालातों में गोली लागकर मौत हो गई जिसका शव उसके घर में खून से लथपथ पड़ा हुआ मिला। फायरिंग की आवाज सुनकर जब परिजन घटनास्थल की तरफ दौड़े तो युवक का शव जमीन पर खून से लहुलुहान हालत में पड़ा हुआ मिला। इसके बाद आनन-फानन में युवक के परिजन उसे धनौरा सीएचसी लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई इसके बाद सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई पुलिस ने घटनास्थल का आुआयना

किया और घटनास्थल से तमंचा और मोबाइल के साथ जरूरी साक्ष्य भी जुटाए। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बता दें कि यह पूरी घटना जिला मुख्यालय से करीब 15 किलोमीटर दूर बछरायूं थाना क्षेत्र के महमदी गांव की है जहां महमदी गांव निवासी गौरव चौधरी मुरादाबाद स्थित एक होंडा कंपनी में फाइनेंस का काम करता था। गौरव के पिता रामवीर सिंह की 2016 में मौत हो गई थी। तीन साल बीतने के बाद मां का भी निधन हो गया। इसके बाद वह घर पर अकेला रहता था।सुबह 7 बजे गौरव मुरादाबाद से घर आया था। दोपहर अचानक घर के अंदर से फायरिंग की आवाज पड़ोस में



रहने वाल सगे चाचा को सुनाई पड़ी। वह दौड़कर उसके कमरे में पहुंचे, तो वह खून से लथपथ जमीन पर पड़ा मिला।।इसे देखकर चीख-पुकार मच गई।मौके पर गांव वाले इकट्ठा हो गए। परिजनों ने घायल युवक को नजदीकी सीएचसी पहुंचाया, वहां पर डॉक्टरों ने जांच के बाद गौरव को मृत घोषित कर दिया।घटना की जानकारी मिलते ही सीओ अंजली कटारिया और थाना प्रभारी अतवीर चौहान पुलिस बल के साथ अस्पताल पहुंचे, वहां पर परिजनों से घटना की जानकारी ली। इसके थाना प्रभारी घटनास्थल पहुंचे, वहां फोरेंसिक टीम के साथ सबूत इकट्ठा किए। पुलिस मामले में की जांच में जुटी

है। घटना के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है।चाचा कुलविंदर सिंह और महेश सिंह ने बताया कि गौरव अविवाहित था और उसकी दो बहनें हैं, जिनकी शादी हो चुकी है। माता-पिता की मौत के बाद वह अकेला रह गया था। हालांकि, आत्महत्या के पीछे की असली वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है।थाना प्रभारी बछरायूं अतवीर चौहान ने बताया मामले में पुलिस ने फोरेंसिक टीम घटनास्थल का निरीक्षण किया है। तमंचा कहां से आया, इसकी जांच की जा रही है।। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल पाएगा।

एम्बुलेंस कर्मी की कुशलता आई काम, प्रसूता और नवजात को मिली समय पर देखभाल

चंदौसी/संभल(सब का सपना):—कोतवाली चंदौसी क्षेत्र के गांव रामनगर में बुधवार को 102 एम्बुलेंस सेवा की तत्परता और ईएमटी पंकज की सूझबूझ से प्रसूता और नवजात को समय पर सुरक्षित देखभाल मिल सकी। रास्ते में प्रसव पीड़ा बढ़ने पर ईएमटी ने एम्बुलेंस में ही सुरक्षित प्रसव कराया। इसके बाद जच्चा और बच्चा दोनों सुरक्षित पाए गए। जानकारी के अनुसार, गांव रामनगर निवासी जगदीश की 27 वर्षीय पत्नी गीता को बुधवार को प्रसव पीड़ा शुरू हुई। परिजनों ने तत्काल 102 एम्बुलेंस सेवा पर कॉल कर मदद मांगी। सूचना मिलते



ही एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और गीता को अस्पताल ले जाने के लिए एम्बुलेंस में शिफ्ट किया गया। गांव

से निकलते ही रास्ते में गीता की प्रसव पीड़ा तेज हो गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एम्बुलेंस में

तैनात ईएमटी पंकज ने सूझबूझ और तत्परता का परिचय देते हुए एम्बुलेंस रुकवाई और सुरक्षित प्रसव कराया। प्रसव के बाद उन्होंने जच्चा और नवजात की शारीरिक स्थिति की जांच करते हुए वाइटल मॉनिटरिंग की। इसके बाद प्रसूता और नवजात को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) चंदौसी पहुंचाकर भर्ती कराया गया। समय पर मिली सहायता और ईएमटी पंकज की कुशलता से जच्चा-बच्चा दोनों को आवश्यक देखभाल मिल सकी। इस सराहनीय कार्य से 102 एम्बुलेंस सेवा की आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की उपयोगिता एक बार फिर सामने आई।

डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):— जनपद की डिडौली कोतवाली क्षेत्र के नेशनल हाईवे 9 पर डायल 112 और एक पिकअप गाड़ी की जोरदार टक्कर हो गई ।टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टक्कर लगने के बाद पिकअप गाड़ी में भयंकर आग लग गई। जिससे आसपास के क्षेत्र में अफरा तफरी मच गई।उधर पिकअप के ड्राइवर ने किसी तरह गाड़ी से कूद कर अपनी जान बचाई। बता दें कि पूरा मामला डिडौली थाना क्षेत्र के जोया में



नेशनल हाईवे 9 का है जहां पर मंगलवार की देर रात जोया के संभल चौराहे पर पुल के ऊपर

एक बाइक दुर्घटना की सूचना पर डायल 112 की पीआरवी पहुंची थी।इसी दौरान दिल्ली से

मुरादाबाद जा रही एक पिकअप गाड़ी ने पीआरवी को टक्कर मार दी।

नांगल सोती रामलीला समिति में अवनीश अवस्थी को मिली नई जिम्मेदारी

तुषार शर्मा और अंकित जोशी को उप डायरेक्टर सहित कई पदों पर हुआ मनोनयन, रामलीला को और भव्य बनाने पर दिया जोर

नांगल सोती/बिजनौर (सब का सपना):- श्री गंगा नट्य परिषद रामलीला समिति, नांगल सोती में नई जिम्मेदारियों के साथ संगठन को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। समिति के वरिष्ठ एवं कनिष्ठ कलाकारों ने सर्वसम्मति से अवनीश जोशी को स्ट्रेज डायरेक्टर मनोनीत किया। इससे पूर्व जनेश पाल इस जिम्मेदारी का निर्वहन कर रहे थे। समिति के कलाकारों ने अवनीश जोशी पर भरोसा जताते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी सौंपी। इसके साथ ही समिति के सुचारु संचालन के लिए अन्य पदों पर भी मनोनयन किया गया। तुषार शर्मा एवं अंकित जोशी को उप डायरेक्टर, डॉ. जितेंद्र पाल को संरक्षक, शुभम शर्मा को उप संरक्षक, धर्मेन्द्र पाल को स्ट्रेज मैनेजर तथा संजय कश्यप एवं वरुण को उप स्ट्रेज मैनेजर बनाया गया। स्ट्रेज डायरेक्टर मनोनीत होने पर अवनीश

रामलीला वर्षों से अपनी सुंदर प्रस्तुति और धार्मिक परंपराओं के लिए जानी जाती है। यह सब भगवान श्रीराम के आशीर्वाद तथा कलाकारों की मेहनत, लगन और आपसी सहयोग का परिणाम है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम के आशीर्वाद से नांगल सोती की रामलीला आगे भी भव्य और सुंदर रूप में आयोजित होती रहेगी। सभी कलाकारों के अनुभव और सहयोग से समिति की परंपरा को और मजबूत किया जाएगा। उनका प्रयास रहेगा कि



जोशी ने समिति के सभी वरिष्ठ एवं कनिष्ठ कलाकारों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी कलाकारों ने उन पर जो विश्वास जताया है, वह उनके लिए सम्मान की बात है। वे सभी कलाकारों को साथ लेकर चलेंगे और रामलीला के मंचन को और अधिक सुंदर एवं प्रभावशाली बनाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने पूर्व स्ट्रेज डायरेक्टर जनेश पाल सहित समिति के सभी वरिष्ठ कलाकारों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि नांगल सोती की

प्रत्येक कलाकार को उचित सम्मान मिले और सभी मिलकर रामलीला की गरिमा को बनाए रखें। इस अवसर पर नरेंद्र सिन्हा, राजू जोशी, जनेश पाल, राजपाल, शिवकुमार कश्यप, सुभाष, डॉ. अमित प्रजापति, धर्मेन्द्र पाल, डॉ. जितेंद्र पाल, तुषार शर्मा, अंकित जोशी, विकास जोशी, हरिओम जोशी, शिवम शर्मा, बिट्टू पहलवान, मनोज शर्मा, संजय कारीगर, टीनु वर्मा, हिमांशु जोशी, सत्यपाल कश्यप, ताशू शर्मा, जितन जोशी, रमन जोशी, माधव शुक्ला, लवकुश पाल, प्रदीप तंवर, ललित कारीगर, लाला भाई, शांतम शर्मा एवं वरुण सहित अनेक कलाकार उपस्थित रहे। सभी कलाकारों ने अवनीश जोशी को नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं दीं और विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में समिति आपसी एकता, सहयोग और समर्पण के साथ रामलीला की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाएगी।

थाना खखरेरू पुलिस की साइबर पाठशाला, 1000 बच्चों को सिखाए सुरक्षा के गुर



फतेहपुर (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक श्री अभिमन्यू मांगलिक के निदेशन में जनपद पुलिस द्वारा चलाए जा रहे साइबर जागरूकता अभियान के तहत थाना खखरेरू पुलिस ने बड़ी पहल की। मंगलवार को थाना क्षेत्र के श्री साधु शरण सिंह इंटर



कॉलेज, बरयेपुर में साइबर जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। जिसमें लगभग 800 से 1000 छात्र-छात्राओं को साइबर अपराधों से बचने के उपाय बताए गए। पुलिस टीम ने बताया कि आजकल टग फर्जी लिंक, एपीके फाइल, ओटीपी

मांगकर, फर्जी नौकरी और डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर ठगी कर रहे हैं। बच्चों को बताया गया कि अपना ओटीपी, यूपीआई पिन किसी को न दें, अनजान लिंक पर क्लिक न करें और सोशल मीडिया पर सतर्क रहें। पुलिस ने अपील की

जनगणना प्रशिक्षण के दूसरे दिन जिला जनगणनाधिकारी के केंद्रों का किया निरीक्षण

ट्रेनरों, सुपरवाइजरों व प्रणणकों को दी महत्वपूर्ण जानकारी



नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- भारत की जनगणना 2027 के द्वितीय चरण जनसंख्या की गणना के लिए प्रणणकों व पर्यवेक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम दूसरे दिन को नगर पालिका तथा हिंदू इंटर कॉलेज में चल रहा है। जिसमें नगर पालिका में 42 तथा हिंदू इंटर कॉलेज में 90 प्रणणक व पर्यवेक्षक प्रशिक्षण ले रहे हैं। ट्रेनर स्मार्ट बोर्ड व इलेक्ट्रॉनिक



डिवाइस से प्रशिक्षण दे रहे हैं। जिला जनगणना प्रभारी ने प्रशिक्षक केंद्रों का निरीक्षण कर ट्रेनरों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बुधवार को नगर पालिका परिषद, नगीना व हिन्दू इंटर कॉलेज में जिला जनगणना प्रभारी श्री जे.पी. यादव का आगमन हुआ। इस अवसर पर सतीश कुमार अधिशासी अधिकारी एवं नगर चार्ज अधिकारी, नगर पालिका परिषद, नगीना तथा तहसील जनगणना

अधिकारी एसडीएम नगीना प्रिंस कुमार व चार्ज अधिकारी तहसीलदार नगीना हेमराज सिंह बोनाल भी उपस्थित रहे। जिला जनगणना प्रभारी जे.पी. यादव जी द्वारा जनगणना 2027 के द्वितीय चरण (Population Enumeration – जनसंख्या गणना) के संबंध में उपस्थित सभी सुपरवाइजरों एवं प्रणणकों (Enumerators) को महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने जनगणना कार्य की प्रक्रिया,

बंद मकान में चोरों ने बेखौफ होकर दो घरों को निशाना बनाया

चोर दो लाख रुपये की चोरी कर ले गए, पुलिस जांच में जुटी



नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- बंद पड़े मकान का ताला तोड़कर चोर 85000 की नगदी समेत ढाई लाख रूपए मूल्य के सोने चांदी के आभूषण चोरी कर ले गए। तहरीर के आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई में जुड़ गई है। चोरों ने एक बन पड़े मकान को भी निशाना बनाया लेकिन वहां से खाली हाथ लौटना पड़ा जब के टयूलल का बिजली का तार केबिल काट कर ले गए। गांव में चोरों के नौशद थु ग्रामीण दहशत में है। आतंक प्रु शमशाद निवासी कालाखेड़ी हरिद्वार में प्राइवेट नौकरी करता है नै पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि उसके पिता शमशाद मात दोनो चार दिन पुर्व घर में ताले लगाकर दवाई लेने दिल्ली गए हुए हैं, सोमवार की रात को अज्ञात चोरों ने मेन गेट का ताला तोड़कर कमरे में घुस गए जहां रखी गोदरेज की अलमारी का ताला लॉक

तोड़कर उसमें रखे कानों के झुमकी, सोने का मंगलसूत्र और चांदी की तीन अंगूठी और 85 हजार रुपए समेत करीब ढाई लाख रूपए मूल्य के सोने चांदी के आभूषण चोरी कर ले गए। घटना की सूचना फोन कर दी सूचना मिलते ही नौशाद अहमद अपने गांव पहुंचा जहां कमरे में समान खुद बुरद और अलमारी के ताले टूटे मिले। नौशादने घटना की सूचना पहले 112 पुलिस टीम को दी फिर लिखित तहसील चौकी इंचार्ज

चित्तौड़गढ़ पुलिस चौकी प्रभारी को दी, पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जार पड़ताल की। (1) जोड़ी बुंदे, दो सोने का मंगलसूत्र तथा चांदी की तीन अंगूठी चोरी कर ले गए। चोरी हुए सामान की कुल कीमत करीब ८2,50,000 है नौशाद के पड़ोसी मोहम्मद जलील पुत्र इस्लामुद्दीन पुणे में रहता हैं, उसकी पत्नी रुखसाना अपनी बेटी के साथ घर पर रहती है। रुखसाना ने बताया कि वह मंगलवार को अपनी बहन के हाल-चाल के

नजीबाबाद-हरिद्वार मार्ग पर गोल चक्कर की चढ़ाई पर अनियंत्रित होकर पलटा सिरके का टैंकर, चालक की मौके पर दर्दनाक मौत

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- नजीबाबाद-हरिद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। नजीबाबाद की ओर से आ रहा सिरके से भरा एक भारी-भरकम टैंकर गोल चक्कर की चढ़ाई पर अनियंत्रित होकर पलट गया। इस भीषण हादसे में टैंकर के चालक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद मार्ग पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों और पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, सिरके से भरा टैंकर (गाड़ी संख्या: UP 85 GT 7750) नजीबाबाद की तरफ से आ रहा था। जैसे ही टैंकर चालक ने हरिद्वार मार्ग पर बने गोल चक्कर की चढ़ाई पर



वाहन को मोड़ने का प्रयास किया, तभी अचानक वाहन पर से उसका नियंत्रण छूट गया। ढलान और चढ़ाई के संतुलन बिगड़ने के कारण भारी-भरकम टैंकर सड़क किनारे अनियंत्रित होकर जोरदार आवाज के साथ पलट गया। हादसा इतना भयानक था कि टैंकर पलटते ही उसका अगला हिस्सा बुरी तरह

से बाहर निकाला। हादसे के बाद टैंकर का सारा सिरका सड़क पर बह गया, जिससे सड़क पर फिसलन जैसी स्थिति पैदा हो गई। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस ने तुरंत यातायात को नियंत्रित किया और क्रेन (खड्ड) की मदद से पलटे हुए टैंकर को सड़क किनारे हटाने का कार्य शुरू किया। इस दुर्घटना के चलते कुछ समय के लिए मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे पुलिस ने सुचारु कराया। पुलिस ने मृतक चालक की शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिए हैं और उसके परिजनों को घटना की सूचना दे दी है। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। इस दुखद हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है।

नजीबाबाद में आस्था और उल्लास के साथ निकाली गई भव्य भगवान वाल्मीकि शोभायात्रा

रमपुरा, मकबरा व जापतागंज में पूजित हुए आदिकवि, जगह-जगह पुष्पवर्षा कर ऐतिहासिक स्वागत



नजीबाबाद (सब का सपना):- आदिकवि भगवान वाल्मीकि के पावन प्रकट दिवस के अवसर पर वाल्मीकि समाज की ओर से नगर में अत्यंत श्रद्धा और धूमधाम के साथ दिव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में भगवान वाल्मीकि की साधना कुटिया, लव-कुश प्रसंग और 'भारत माता' की आकर्षक झांकियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अखाड़े के युवाओं ने अपनी युद्ध कला के हैरतअंगेज प्रदर्शन से सभी का दिल



मंत्रोच्चार के बीच धार्मिक ध्वजारोहण कर किया गया। इससे पूर्व रमपुरा, मकबरा तथा जापतागंज स्थित वाल्मीकि मंदिरों में पूजा-अर्चना की गई। शोभायात्रा में भगवान वाल्मीकि की साधना कुटिया, लव-कुश प्रसंग और 'भारत माता' की आकर्षक झांकियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अखाड़े के युवाओं ने अपनी युद्ध कला के हैरतअंगेज प्रदर्शन से सभी का दिल

अरविंद गहलौत बने भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, बधाई देने वालों का लगा तांता

समर्थकों ने फूलों का गुलदस्ता और अंगवस्त्र भेंट कर जताई खुशी, पार्टी नेतृत्व का जताया आभार

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला उपाध्यक्ष अरविंद गहलौत को पार्टी हाईकमान द्वारा उत्तर प्रदेश की नवगठित प्रदेश कार्यसमिति का सदस्य मनोनीत किए जाने पर क्षेत्र में खुशी की लहर है। उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने इस मनोनयन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए भाजपा के केंद्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व का आभार जताया। बड़ापुर थाना क्षेत्र के ग्राम लदापुर के मूल निवासी एवं वर्तमान में नगीना के क्षत्रिय नगर में रहने वाले अरविंद गहलौत पूर्व में भाजपा के जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा चुके

महामंत्री अभिषेक अग्रवाल, पूर्व नगर अध्यक्ष सौरभ मित्तल, शिवशंकर सक्सेना, अमित गुप्ता और डॉ. भूपेश कुमार सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने अरविंद गहलौत को बधाई दी। समर्थकों ने उन्हें फूलों का गुलदस्ता भेंट कर तथा अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया। साथ ही उनके प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बनने पर खुशी जाहिर करते हुए इसे पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए गौरव का विषय बताया। वहीं, भाजपा के पूर्व सांसद कुंवर भारेंद्र सिंह, डॉ. यशवंत सिंह और कविता चौधरी को भी भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति का सदस्य मनोनीत किया गया है।

गंगा एक्सप्रेस-वे पर पलटी डबल डेकर बस, 25 से अधिक घायल

बस में 100 से 150 यात्री सवार होने का दावा, बच्चों समेत घायलों को जिला अस्पताल में कराया भर्ती



बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद में गंगा एक्सप्रेस-वे पर बुधवार सुबह करीब छह बजे एक भीषण सड़क हादसा हो गया। चैल नंबर 110 के पास खिरनी टोल प्लाजा से लहरावन के बीच यात्रियों से भरी डबल डेकर बस अनियंत्रित होकर पलट गई। बस में करीब 100 से 150 यात्रियों के सवार होने की बात सामने आई है। हादसे में बच्चों समेत कई यात्री घायल हो गए। घायलों को यूपीड़ा की एंबुलेंस से जिला संयुक्त चिकित्सालय संभल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार



में जुटा हुआ है। बिहार के सुपौल जिले के गौरगंज साहर निवासी घायल मुकेश कुमार ने बताया कि वह राजमिस्त्री का काम करता है और अन्य मजदूरों के साथ पंजाब के पटियाला से बिहार जा रहा था। उसके मुताबिक, बस में क्षमता से अधिक यात्री भरे हुए थे। करीब 150 लोग सवार थे और यात्रियों के सामान के कारण बस में बैठने तक की पर्याप्त जगह नहीं थी। मुकेश ने 50 से अधिक लोगों के घायल होने का दावा किया है। उसने बताया कि हादसे के बाद

वह बस की खिड़की का शीशा तोड़कर बाहर निकला। बताया जा रहा है कि बस में सवार अधिकांश लोग कारवांथी थे और दीपावली का त्योहार मनाने के लिए अपने घर लौट रहे थे। बस में फ्रिज, एलईडी, वाशिंग मशीन समेत काफी सामान भी भरा हुआ था, जो बस पलटने के बाद क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य कराया। फिलहाल घायलों का जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

हेड कांस्टेबल देवदत्त सिंह को उत्कृष्ट सेवा पदक से सम्मानित



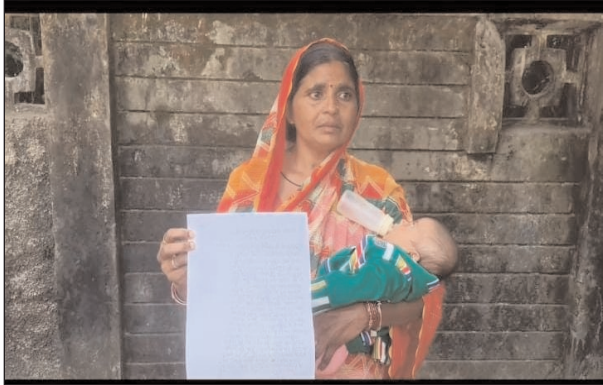
फतेहपुर (सब का सपना) :- गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा उत्कृष्ट सेवा पदक से सम्मानित जनपद फतेहपुर के वाचक कार्यालय में तेनात हेड कांस्टेबल देवदत्त सिंह को एसपी अभिमन्यु मांगलिक ने मंगलवार को पदक पहनाकर सम्मानित किया। इस मौके पर एसपी ने उनकी उत्कृष्ट व समर्पित सेवा की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गैर इरादतन हत्या में 3 को 10 साल की सजा, 54-54 हजार जुमाना



फतेहपुर (सब का सपना):- ऑपरेशन कन्विकशन के तहत फतेहपुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली। हुसैनगंज थाना क्षेत्र के गैर इरादतन हत्या के मामले में कोर्ट ने तीन आरोपियों को 10-10 साल के सश्रम कारावास और 54-54 हजार रुपये जुमाने की सजा सुनाई। थाना हुसैनगंज में 2012 में दर्ज मुकदमे में राजू सिंह, संजय सिंह व नीरज उर्फ नीलम निवासी सहिमापुर को दोषी करार देते हुए एएसजे/एफटीसी-02 कोर्ट ने मंगलवार को सजा सुनाई। एसपी अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में मानिटरिंग सेल व अभियोजक रणधीर कुमार सिंह की प्रभावी पेरवी से सजा दिलाई गई।

मासूम को गोद में लेकर SP दफ्तर पहुंची बेबस सास, न्याय की गुहार



फतेहपुर/बकेवर (सब का सपना) :- थाना बकेवर क्षेत्र के गांव सदुराबाद निवासी सुनीता मंगलवार को अपने मासूम नाती को गोद में लेकर एसपी कार्यालय पहुंची और न्याय की गुहार लगाई। महिला का आरोप है कि उसकी बहू बच्चे को छोड़कर चली गई है, बेटा जेल में है और परिवार न्यायालय में मुकदमा कर पूरे परिवार को परेशान किया जा रहा है। गरीब होने के कारण थाने में सुनवाई नहीं हो रही है। पीड़िता ने बताया कि सोमवार को एसपी से मिलने पर थाने भेजा गया था, लेकिन वहां भी समाधान नहीं हुआ। महिला ने अधिकारियों से मामले में निष्पक्ष जांच कर न्याय दिलाने की मांग की है।

प्रदेश की रिजर्व बसों का होगा सदुपयोग, दीपावली से छठ तक यूपी रोडवेज चलाएगा तीन हजार विशेष बसें



लखनऊ: उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम ने लौहारों पर लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचाने के लिए दीपावली से लेकर छठ तक तीन हजार विशेष बसों के संचालन का फैसला लिया है। यूपी रोडवेज के इस कदम से आम यात्री को जरा सी भी परेशानी नहीं उठानी पड़ेगी। यूपी रोडवेज तीन हजार अतिरिक्त बसों की व्यवस्था दस प्रतिशत रिजर्व कोटै और शेष बसों के फेरे बढ़ाकर करेगा। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन विभाग के पास वर्तमान में 14 हजार से अधिक बसें हैं, इनमें से दस प्रतिशत हमेशा रिजर्व कोटे में रहती हैं। छठ पर तो यह बसें बिहार तक भी चलाई जाएंगी। परिवहन निगम के प्रधान प्रबंधक संचालन अनिल कुमार ने बताया, दीपावली से छठ तक बसें चलाने के लिए दिशा-निर्देश तैयार हैं। इनको शीघ्र ही जारी कर दिया जाएगा। यह भी निर्देश होगा कि जिस मार्ग पर यात्री मिले वहां के लिए बसें अनिवार्य रूप से भेजी जाएं। सभी क्षेत्रों को जल्दतः के हिसाब से यात्रियों की मांग के अनुरूप भेजना होगा। अतिरिक्त बसों की व्यवस्था के दौरान बसों के ड्राइवर व कंडक्टरों को विशेष प्रोत्साहन पता का लाभ मिलेगा। दीपावली से छठ पर्व के बाद तक परिवहन निगम प्रदेश भर में 3000 अतिरिक्त बसों का संचालन करेगा। इनमें डिपोवार रिजर्व बसों के साथ ही बसों के फेरे बढ़ाकर यात्रियों का आवागमन सुगम किया जाएगा। बसों का आवागमन धनतेरस छह नवंबर से एक दिन पहले शुरू होकर छठ पर्व के बाद तक चलेगा। दूसरे राज्यों से आने वालों को घर पहुंचाने के लिए परिवहन निगम की बसें मुख्य मार्गों के साथ ही जिले के सामान्य रूटों पर भी चलेगी। परिवहन निगम ने इसका ब्योरा तैयार कर लिया है। लखनऊ से सबसे अधिक बसों का संचालन लखनऊ-दिल्ली, लखनऊ-गोरखपुर, दिल्ली, आजमगढ़, बहराइच, बलरामपुर व प्रयागराज जैसे मार्गों के लिए होगा। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के बेड़े में इस समय 14110 बसें हैं। सभी 20 क्षेत्र पूरी क्षमता के साथ महापर्व पर बसों का संचालन करेंगे। ल्योहार पर यात्रियों की सुविधा के लिए स्टेशनों की साफ-सफाई के साथ ही पानी, बैठने आदि का प्रबंध करने के भी निर्देश दिए गए हैं। बस स्टेशनों पर सहायता केंद्र भी खोले जाएंगे साथ ही रवाना होने वाली बसों की डिजिटल समय सारिणी लगाई गई है।

जनगणना 2027 के प्रथम स्लॉट का प्रशिक्षण संपन्न 1760 प्रगणकों और पर्यवेक्षकों ने लिया प्रशिक्षण

सम्भल(सब का सपना):-जनपद में जनगणना 2027 के द्वितीय चरण के अंतर्गत जनसंख्या गणना की तैयारियों को गति दी जा रही है। जिलाधिकारी अर्किट खण्डेलवाल के निर्देशन में जनपद के 14 चार्ज स्तरों पर प्रणणकों और पर्यवेक्षकों का चार्जवार प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में प्रथम स्लॉट के सभी 40 बैचों का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस दौरान कुल 1760 प्रगणकों और पर्यवेक्षकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के अंतिम दिन प्रतिभागियों को जनगणना कार्य की महत्ता के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों ने जनगणना के दौरान निष्पक्षता शुद्धता और गोपनीयता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। सभी प्रतिभागियों को बताया गया कि जनगणना देश की जनसंख्या से



संबंधित महत्वपूर्ण आंकड़े एकत्र करने की प्रक्रिया है। इन आंकड़ों का उपयोग विकास योजनाओं के निर्माण और विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों के संचालन में किया जाता है। इसलिए जनगणना से जुड़े प्रत्येक कर्मचारी की जिम्मेदारी है कि वह अपने कार्य को पूरी निष्ठा और सावधानी के साथ पूरा करे। प्रशिक्षण के दौरान प्रणणकों

और पर्यवेक्षकों को उनके दायित्वों के प्रति जागरूक किया गया। उन्हें निर्देश दिए गए कि जनगणना के दौरान निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं का पालन करें तथा प्रत्येक जानकारी को पूरी शुद्धता के साथ दर्ज करें। आंकड़ों की गोपनीयता बनाए रखने और किसी भी प्रकार की लापरवाही से बचने की



आवश्यकता पर भी बल दिया गया। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों को जनगणना कार्य ईमानदारी जिम्मेदारी और पूर्ण निष्ठा के साथ संपन्न करने की प्रतिज्ञा दिलाई गई।प्रशासन के अनुसार 29 अक्टूबर 2026 से द्वितीय स्लॉट के 40 बैचों का प्रशिक्षण शुरू होगा। इस स्लॉट में कुल 1803 प्रणणक और पर्यवेक्षक

प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। सभी संबंधित कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि वे निर्धारित समय पर प्रशिक्षण स्थल पर पहुंचें और लगातार तीनों दिन के प्रशिक्षण में अनिवार्य रूप से प्रतिभाग करें। प्रशिक्षण के दौरान दी जाने वाली जानकारी को गंभीरता से समझने और अपने दायित्वों का सही तरीके से निर्वहन करने के निर्देश भी

दिए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि प्रशिक्षण में देरी से पहुंचने या बिना उचित कारण अनुपस्थित रहने के मामलों को गंभीरता से लिया जाएगा। निदेशों का पालन नहीं करने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। सभी संबंधित कार्मिकों से अपेक्षा की गई है कि वे प्रशिक्षण में पूरी गंभीरता के साथ भाग लें और जनगणना की प्रक्रिया से संबंधित सभी आवश्यक जानकारीयां प्राप्त करें। प्रशासन का उद्देश्य जनपद में जनगणना की तैयारियों को व्यवस्थित ढंग से पूरा करना है ताकि आगामी जनगणना निर्धारित समयसीमा के भीतर शुद्धता पारदर्शिता और सुचारु व्यवस्था के साथ संपन्न कराई जा सके। प्रथम स्लॉट का प्रशिक्षण पूरा होने के बाद अब द्वितीय स्लॉट के प्रशिक्षण की तैयारियां की जा रही हैं।

भाजपा के डॉ हरि सिंह दिल्ली ने सपा के दानिश अख्तर को दी पटखनी

चौथी बार भाजपा से शिक्षक विधायक चुने गए हैं डॉ हरि सिंह दिल्ली, समर्थकों में जश्न

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- बरेली मुरादाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी व निवर्तमान एमएलसी डॉ हरि सिंह दिल्ली ने सपा प्रत्याशी हाजी दानिश अख्तर को 17676 वोटों के विशाल अंतर से पराजित कर ऐतिहासिक जीत दर्ज की है।इन्हें 21672 वोट प्राप्त हुए हैं,जबकि उनके प्रतिद्वंदी सपा के हाजी दानिश अख्तर को मात्र 3996 वोट ही मिले। नगीना में डॉ हरि सिंह दिल्ली के नजदीकी व इलेक्शन एजेंट रहे डॉ संदीप शर्मा ने चुनाव परिणाम की जानकारी देते हुए बताया कि डॉ हरि सिंह दिल्ली की ऐतिहासिक व



रिकॉर्ड जीत ने साबित कर दिया है कि डॉ हरि सिंह दिल्ली की लोकप्रियता व शिक्षक शिक्षिकाओं में उनके प्रति समर्थन का कोई मुकाबला नहीं है। डॉ हरि सिंह दिल्ली की

ऐतिहासिक जीत पर भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य अरविंद गहलौत, प्रांतीय पार्षद रोहित रवि एड,पूर्व विधायक सतीश गौतम, डॉ संदीप शर्मा, प्रमोद चौहान, अजीत

ओवरलोड वाहनों और अवैध पायदान पर पुलिस की नजर, चेकिंग अभियान जारी

संभल(सब का सपना):- जनपद में सड़क सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से बुधवार को पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी के निर्देशन में यातायात पुलिस एवं प्रवर्तन टीमों ने विभिन्न प्रमुख चौराहों, मुख्य मार्गों और महत्वपूर्ण स्थानों पर सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान ओवरलोड वाहनों, निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां बैठाेने तथा बिना वैध परमिट और आवश्यक दस्तावेजों के वाहन संचालित करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की गई। चेकिंग अभियान के दौरान ऑटो और ई-रिक्शा में लगे अवैध पायदान भी हटवाए गए। यातायात पुलिस की कार्रवाई के तहत कुल 158 वाहनों



के चालान किए गए तथा 3,41,000 रुपये का जुमाना लगाया गया। वहीं, ऑटो एवं ई-रिक्शा के 11 चालान किए गए और इंटरसेप्टर के माध्यम से 35 चालान किए गए। इसके अलावा ऑटो और ई-रिक्शा से छह अवैध पायदान हटवाए गए।

अभियान के दौरान किसी भी वाहन को सीज नहीं किया गया। सम्भल पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की कि वे यातायात नियमों का पालन करें और वाहनों में निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां न बैठाएं। तेज गति से वाहन चलाने से बचें तथा

दोपहिया वाहन चलाने समय हेलमेट और चारपहिया वाहन चलाने समय सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें। साथ ही वाहन के सभी आवश्यक दस्तावेज एवं परमिट वैध रखें। पुलिस ने स्पष्ट किया कि यातायात नियमों का उल्लंघन सड़क दुर्घटनाओं का कारण बन सकता है और इससे वाहन चालक के साथ अन्य लोगों की जान भी खतरे में पड़ सकती है। जनपद में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम तथा यातायात व्यवस्था को सुरक्षित और सुचारु बनाए रखने के लिए ओवरलोडिंग, अवैध पायदान और बिना वैध दस्तावेजों के संचालित वाहनों के विरुद्ध चेकिंग एवं प्रवर्तन की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

सिंगापुर की कंपनियों को यूपी में निवेश का आमंत्रण, जेवर के पास सिंगापुर सिटी बनाने का प्रस्ताव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को वैश्विक निवेश के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में योगी सरकार ने सिंगापुर की कंपनियों को प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया है। मंगलवार को लखनऊ के ताज पैलैस होटल में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना और औद्योगिक विकास मंत्री नंदू गोपाल गुप्ता नदी ने सिंगपुर बिजनेस फेडरेशन के नेतृत्व में आए 14

सदस्यीय उच्चस्तरीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक की। इसमें लॉजिस्टिक्स, हाईटेक मैनुफैक्चरिंग, सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर, स्वच्छ ऊर्जा, शहरी नियोजन और हास्पिटैलिटी सहित विभिन्न क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा हुई। बैठक में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर के निकट समर्पित सिंगापुर सिटी और हाईटेक औद्योगिक टाउनशिप विकसित करने

का प्रस्ताव भी रखा गया। इसका उद्देश्य सिंगापुर की कंपनियों को उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए आकर्षित करना और दोनों पक्षों के बीच औद्योगिक एवं कारोबारी सहयोग को नई गति देना है। निवेशकों के लिए अनुकूल नीतियां और मजबूत औद्योगिक आधार वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि उत्तर प्रदेश अपनी प्रतिबद्धताओं को धरातल पर उतारने में विश्वास रखता

है। प्रदेश में 36 से अधिक क्षेत्र-विशिष्ट नीतियां और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति निवेशकों को आकर्षक अवसर उपलब्ध करा रही है। उद्योगियों को अब तक लगभग 70,000 करोड़ रुपये से अधिक की प्रोत्साहन राशि दी जा चुकी है। उन्होंने सिंगापुर के निवेशकों से प्रदेश की नीतियों और कार्यप्रणाली पर भरोसा रखते हुए निवेश की संभावनाओं को आगे बढ़ाने का

करवा चौथ पर मेहंदी प्रतियोगिता में छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

चंद्रौसी/संभल(सब का सपना):- करवा चौथ के पावन पर्व पर भारत विकास परिषद की शाश्वत शाखा चंद्रौसी के तत्वावधान में सरोजिनी नायडू विद्यालय की छात्राओं के लिए मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छात्राओं ने अपनी कलात्मक प्रतिभा और रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं में रचनात्मक कौशल विकसित करने के साथ उन्हें भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जोड़ना रहा। इस अवसर पर शाखा सचिव डॉ. दुर्गा टंडन ने कहा कि आत्मनिर्भर बेटियां ही सशक्त समाज का राष्ट्र की आधारशिला हैं।



बालिकाओं को शिक्षा के साथ व्यावहारिक कौशल और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ना जरूरी है, ताकि वे आत्मविश्वास के साथ

स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ सकें। महिला संयोजिका रेखा रस्तोगी ने कहा कि भारत विकास परिषद के पांच सूत्रों में संस्कार का विशेष



महत्व है। बालिकाओं को संस्कारित करने और भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं से जोड़ने के उद्देश्य से ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

सांस्कृतिक विरासत भावी पीढ़ी को नैतिक मूल्यों, पारिवारिक संस्कारों और सामाजिक दायित्वों से परिचित करती है। प्रतियोगिता में संध्या ने

प्रथम, मानवी ने द्वितीय और मौनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। < विजेता छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया, जबकि अन्य प्रतिभागियों को सात्वता पुरस्कार प्रदान किए गए। शाश्वत शाखा की महिला सदस्यों ने छात्राओं को उपहार देकर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में डॉ. दुर्गा टंडन, रेखा रस्तोगी, मीनू आहूजा, पूनम अरोड़ा, आरुषी गुप्ता, बीनू शर्मा, निधि, आराधना, तपस्या और आरती सहित समिति की अन्य सदस्याएं तथा विद्यालय की छात्राएं मौजूद रही।



प्रोड्यूसर बनने के बाद कहानी को देखने का बदला नजरिया



एक्ट्रेस श्वेता त्रिपाठी इन दिनों अपनी फिल्म 'मुझे जान ना कहो मेरी जान' को इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल और मार्केट तक ले जा रही हैं। इस साल की शुरुआत में बर्लिन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल से सफर शुरू करने वाली उनकी बतौर प्रोड्यूसर पहली फीचर फिल्म अब टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (टीआईएफएफ) 2026 तक पहुंच गई है।

श्वेता का कहना है कि प्रोड्यूसर बनने के बाद कहानी को देखने का उनका नजरिया बदल गया है। अब वह सिर्फ फिल्म बनाने की प्रक्रिया तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि यह भी सोचती हैं कि फिल्म किन लोगों तक पहुंचेगी और इसके जरिए किस तरह की बातचीत शुरू हो सकती है। श्वेता ने कहा, 'आप जिस फिल्म पर भरोसा करते हैं, उसे किसी इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म तक ले जाना अपने आप में खास होता है। खासकर तब, जब बतौर प्रोड्यूसर यह आपकी पहली फीचर फिल्म हो। बर्लिन से टोरंटो तक का सफर मेरे लिए बेहद खास रहा है, क्योंकि इस दौरान मुझे 'मुझे जान ना कहो मेरी जान' को एक अलग तरीके से पेश करने का मौका मिला।' उन्होंने आगे कहा, 'जब आप फिल्म को बनाने की प्रक्रिया से

आगे बढ़कर देखते हैं, तो आपके मन में यह सवाल आने लगते हैं कि फिल्म किन लोगों तक पहुंचेगी, इसके जरिए किस तरह की बातचीत शुरू हो सकती है और आगे इसके लिए क्या-क्या संभावनाएं हैं। यह मेरे लिए सीखने का शानदार अनुभव रहा है और मैं यह देखने के लिए उत्साहित हूँ कि इस सफर का फिल्म के लिए क्या मतलब निकलता है।' श्वेता त्रिपाठी ने बताया कि बतौर प्रोड्यूसर काम करने से उन्हें कहानी कहने के तरीके को एक नए नजरिए से समझने का मौका मिला है। उन्होंने कहा, 'प्रोड्यूसर बनने के बाद कहानी कहने को लेकर मेरा नजरिया बदल गया है। एक एक्टर के तौर पर आप किसी किरदार और कहानी को पर्दे पर जीवंत करने में पूरी तरह जुटे रहते हैं।' उन्होंने कहा, 'प्रोड्यूसर के तौर पर आपको यह भी देखना होता है कि फिल्म बनने के बाद उसका सफर कैसा होगा, कौन लोग इससे जुड़ सकते हैं और आप फिल्म को उसके दर्शकों तक पहुंचाने के लिए किस तरह मौके बना सकते हैं। इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल और मार्केट ऐसे लोगों को एक साथ लाते हैं, जो इन संभावनाओं को हकीकत में बदलने में मदद कर सकते हैं। अपनी पहली प्रोडक्शन को इन प्लेटफॉर्म पर पेश कर पाना मेरे लिए एक अहम कदम रहा है।'।

नेशनल अवॉर्ड जीत चुके फिल्ममेकर संजय नाग के निर्देशन में बनी 'मुझे जान ना कहो मेरी जान' में तिलोत्तमा शोम

और श्वेता त्रिपाठी नजर आएंगी। यह एक क्वीर लव स्टोरी है, जिसमें प्यार और इंसानी रिश्तों को ईमानदारी और बारीकी से दिखाने की कोशिश की गई है। बतौर प्रोड्यूसर श्वेता का सफर थिएटर से शुरू हुआ था। साल 2010 में उन्होंने अपनी थिएटर प्रोडक्शन कंपनी 'ऑलमाइटी' की शुरुआत की थी। इसकी पहली प्रस्तुतियों में ब्रिटिश नाटककार माइकल बार्टलेट का क्वीर ड्रामा 'कॉक' शामिल था। माइकल बार्टलेट ओलिवियर अवॉर्ड जीत चुके हैं।



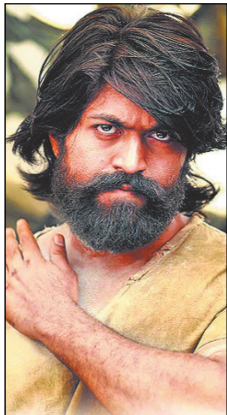
साई पल्लवी ने 'रावण' की भूमिका निभाने के यश के फैसले की तारीफ की

निर्देशक नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' को रिलीज होने में अब बस कुछ ही दिन बचे हैं। ऐसे में मेकर्स और फिल्म की कास्ट भारत के अलग-अलग शहरों में जाकर जोर-शोर से इसका प्रमोशन कर रहे हैं। हाल ही में हैदराबाद में हुए एक इवेंट में फिल्म में 'सीता' का किरदार निभा रही साई पल्लवी ने फिल्म में 'रावण' की भूमिका निभाने के यश के फैसले की तारीफ की।

साई पल्लवी ने कहा कि यश ने इस किरदार को पूरी तरह अपना लिया और लोगों की नफरत के बजाय उनका प्यार हासिल किया। साई पल्लवी ने कहा, 'कोई भी रावण का किरदार नहीं निभाना चाहता, क्योंकि इस किरदार के साथ नफरत जुड़ी होती है, लेकिन यश ने यह किरदार निभाया और इसके बदले सभी का प्यार जीता।'

क्यों यश ने निभाया 'रावण' का किरदार

इससे पहले एक बातचीत में यश ने बताया था कि फिल्म के सह-निर्माताओं में से एक होने के बावजूद उन्होंने भगवान राम के बजाय रावण का किरदार निभाने का फैसला क्यों किया। यश ने कहा था, 'राम की भलाई दिखाने के लिए रावण की बुराई भी तो चाहिए।' अपनी एक्टिंग पर भरोसा जताते हुए यश ने कहा, 'मुझसे अच्छी बुराई कोई दिखा नहीं सकता।' फिर जब अभिनेता से पूछा गया कि तो क्या आपने पर्दे पर बुरा आदमी बनने की जिम्मेदारी ले ली है? इसके जवाब में यश ने कहा, 'जब मैं अच्छा किरदार भी करूंगा ना, मुझसे अच्छा कोई भी नहीं होगा।' यश ने आगे कहा, 'रावण को देखकर लगना चाहिए कि इसको कैसे मारा जाए? हम सभी ने अपने अहंकार को एक तरफ रख दिया है। रामायण में बात मेरे स्टारडम या एक स्टार के तौर पर मेरी पहचान की नहीं है। इस प्रोजेक्ट पर सबसे अच्छे लोग काम कर रहे हैं।'



क्या अक्षय कुमार के बेटे आरव को डेट कर रहीं हैं अनन्या पांडे

हाल ही में अभिनेत्री अनन्या पांडे भी एकेडमी म्यूजियम गाला 2026 में शामिल हुईं, जहां न अपने लुक से छा गई थीं। अब अनन्या ने एक और तस्वीर शेयर की है, जिसके बाद एक बार एक्ट्रेस सुर्खियों में आ गई हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने फेस को अपनी छुट्टियों की एक झलक दिखाई है। उन्होंने अक्षय कुमार और दिवकल खन्ना के बेटे आरव भाटिया के साथ एक तस्वीर शेयर की है। अनन्या ने यह तस्वीर अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट की, जिसमें दोनों घर पर बनी कुछ खाने की चीजों के साथ पोज देते नजर आ रहे हैं। यह तस्वीर सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींच रही है। इसकी एक वजह यह भी है कि बॉलीवुड के मशहूर परिवार से ताल्लुक रखने के बावजूद आरव भाटिया लाइमलाइट से दूर रहते हैं।



डायरेक्टर श्री कार्तिक की अगली फिल्म में नजर आएंगी रुविमणी वसंत

फिल्म 'कांतारा: चोप्टर 1' में अपनी दमदार एक्टिंग से दर्शकों का ध्यान खींचने वाली एक्ट्रेस रुविमणी वसंत जल्द ही एक नई फिल्म में नजर आएंगी। शुक्रवार को फिल्म के मेकर्स ने रुविमणी का अपनी टीम में स्वागत करते हुए उनके किरदार की जानकारी दी। वह डायरेक्टर श्री कार्तिक की अगली फिल्म में थारा का किरदार निभाएंगी। अभी फिल्म के नाम का ऐलान नहीं किया गया है। इस फिल्म में रुविमणी लीड रोल में होंगी और उनके साथ देव रामनाथ और विनायक वैथियानाथन भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। डायरेक्टर श्री कार्तिक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'इश्वर के आशीर्वाद से बेहद टैलेन्टेड कलाकार रुविमणी के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हूँ। एक मजेदार, रोमांचक और दिल को छू लेने वाली फिल्म आने वाली है। 'ओके ओका जीवितम' की तरह यह फिल्म भी हमेशा आपके दिलों में रहेगी।' उन्होंने पोस्ट में रुविमणी को टैग करते हुए फिल्म को लेकर अपना उत्साह जाहिर किया। यह पहली

बार होगा जब रुविमणी वसंत और डायरेक्टर श्री कार्तिक किसी फिल्म में साथ काम करेंगे। फिल्म का निर्माण मैडबॉयज एंटरटेनमेंट और सिरूनी सिने कॉर्पोरेशन मिलकर कर रहे हैं, जबकि साईकृष्णा गडवाल इसके को-प्रोड्यूसर हैं। इससे पहले श्री कार्तिक फिल्म 'कानम' के जरिए चर्चा में आए थे। इस फिल्म में टाइम ट्रेवल जैसे अनीखे कॉन्सेप्ट को मां और बेटे के भावनात्मक रिश्ते के साथ जोड़ा गया था। अब वह एक नए प्रोजेक्ट के साथ लौट रहे हैं, जिसमें अलग-अलग कलाकारी और क्रिएटिव टीम के साथ एक नई कहानी पेश करने की तैयारी है। मेकर्स ने रुविमणी के किरदार थारा का परिचय एक अनाइसमेंट वीडियो के जरिए कराया। इस वीडियो में श्री कार्तिक, देव रामनाथ और विनायक वैथियानाथन थारा के किरदार को फाइनल करने की कोशिश करते नजर आते हैं। इसी बीच अचानक एक नोटिफिकेशन आता है, जो तीनों को चौंका देता है। इसके बाद रुविमणी वसंत की एंट्री होती है और दर्शकों को उनके किरदार की पहली झलक देखने को मिलती है।

एकता कपूर ने की प्रियंका चाहर चौधरी की तारीफ

अभिनेत्री प्रियंका चाहर चौधरी रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल' सीजन 2 में प्रोड्यूसर एकता कपूर द्वारा उनके गेम की तारीफ किए जाने के बाद इमोशनल नजर आईं। दरअसल, शो के टावर के अंदर साथी कंटेस्टेंट्स के साथ झगड़े के बाद माहौल गरम होने के बीच, प्रियंका को एकता, अभिषेक मल्हान और ईशा सिंह की तरफ से सपोर्ट मैसेज मिले। प्रियंका की परफॉर्मेंस की तारीफ करते हुए एकता ने कहा कि वह शो में उनकी जर्नी फॉलो कर रही हैं और उन्होंने जिस तरह से अलग-अलग हालात को हैंडल किया है, वह वाकई सराहनीय है। एकता ने कहा, 'मैं आपको 'राइज एंड फॉल' में देख रही हूँ और मैं कहना चाहती हूँ, आप बहुत अच्छा खेल रही हो। शो में आप कभी-कभी शांत और संयमित रहती हो और कभी-कभी लोगों को उनकी असली जगह दिखा देती हो।' प्रियंका को 'असली हीरोइन' बताते हुए प्रोड्यूसर ने कहा कि वह पूरे देश में मौजूद उनके सपोर्टर्स के साथ उनके लिए दुआ कर रही हैं। एकता ने प्रियंका के साथ जुड़े 'नागिन' टैग पर भी बात की और इसे होसला बढ़ाने वाला मैसेज बताया। उन्होंने कहा, 'सबसे अच्छी बात, अगर कोई आपको नागिन कहे, तो उन्हें ये बात याद हो कि नागिन का डसा पानी भी नहीं मांगता और आप सिर्फ बुरे लोगों को डसती हो। तो, खेलती रहो और जीतो। मेरे और पूरे इंडिया के लिए, आप असली हीरोइन हो, लोगों के दिल की, बालाजी की, मेरी और इंडियन टेलीविजन की। जीतो, क्योंकि मुझे नहीं पता, या आपको नहीं पता कि हारना



कैसे है।' अभिषेक मल्हान और ईशा सिंह ने भी प्रियंका को अपना सपोर्ट दिया, जिसके बाद टावर के अंदर चल रही राइडलरी के बीच होसला बढ़ाने वाले शब्द सुनकर प्रियंका चौधरी इमोशनल हो गईं। बनिजय एशिया द्वारा प्रोड्यूस 'राइज एंड फॉल' सीजन 2 के होस्ट पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग हैं। यह शो प्राइम वीडियो पर फ्री में एक्सक्लूसिव तौर पर स्ट्रीम हो रहा है, जिसके नए एपिसोड रोज दोपहर 12 बजे रिलीज होते हैं।



शिल्पा राव को मिला 'ऑल इंडियन सिने वर्क्स एसोसिएशन' का साथ

सिंगर शिल्पा राव का कॉन्सर्ट विवाद बढ़ता जा रहा है। अब इस मामले में 'ऑल इंडियन सिने वर्क्स एसोसिएशन' की एंट्री हुई है। एसोसिएशन ने एक बयान जारी किया है। इसमें 'बॉलीवुड म्यूजिक प्रोजेक्ट' (बीएमपी) के दौरान शिल्पा राव की परफॉर्मेंस को अचानक रोकने जाने का जिक्र करते हुए इसे पूरी तरह से अस्वीकार्य बताया गया है। शनिवार को मुंबई में 'बॉलीवुड म्यूजिक प्रोजेक्ट' के इवेंट में शिल्पा राव मंच पर लाइव परफॉर्म कर रही थीं, तभी आयोजकों ने जबरन उनका माइक्रोफोन और लाइट बंद कर दीं। वह कुछ देर तक मंच पर ही रहीं। माइक बंद होने के बाद, उनकी जगह 'कुतले खान प्रोजेक्ट' के कलाकार कुतले खान को गाने का मौका दे दिया गया। उन्होंने शिल्पा राव के कुछ कहने के दौरान ही गाना शुरू कर दिया।

क्या बोला एसोसिएशन

इस मामले पर एसोसिएशन ने कहा 'किसी कलाकार की परफॉर्मेंस के बीच में ही जबरन साउंड और लाइट बंद कर देना और फिर मंच किसी और को सौंप देना, पूरी तरह से अस्वीकार्य है। शिल्पा राव एक राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता हैं और भारतीय संगीत जगत की सबसे सम्मानित आवाजों में से एक हैं। उनके गानों को पूरे देश में बहुत पसंद किया गया है।' बृहद्ब 'बॉलीवुड म्यूजिक प्रोजेक्ट' की

तरफ से राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिल्पा राव को मंच पर लाइव परफॉर्म करते समय अपमानित किए जाने की कड़े शब्दों में निंदा करता है। किसी कलाकार के साथ ऐसा बर्ताव कभी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।'

एसोसिएशन ने सिंगर का समर्थन करने की कहा

एसोसिएशन ने आगे कहा एआईसीडब्ल्यूए पूरी मजबूती से शिल्पा राव के साथ खड़ा है। अगर वह 'बॉलीवुड म्यूजिक प्रोजेक्ट' के खिलाफ कोई कदम उठाना चाहती हैं, तो एसोसिएशन हर कानूनी रास्ते से उनका समर्थन करेगा। भविष्य में अगर किसी कलाकार के साथ बुरा बर्ताव किया जाता है, तो एसोसिएशन कानून के अनुसार जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगा। किसी कलाकार का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।'

आयोजकों ने मांगी माफी

इससे पहले 'बॉलीवुड म्यूजिक प्रोजेक्ट' (बीएमपी) के आयोजकों ने सिंगर शिल्पा राव के माइक बंद वाले मामले पर माफी मांगी थी। 24 अक्टूबर को मुंबई में हुए फेस्टिवल में गायिका शिल्पा राव की परफॉर्मेंस को अचानक बीच में ही रोक दिया गया था। इस घटना की फेस्टिवल में आए फैसले ने आलोचना की। सोशल मीडिया पर जस्टिस फॉर शिल्पा राव ट्रेंड करने लगा।

